हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 215 बेमेतरा, सोमवार 30 मार्च 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

छात्र की जेब में मोबाइल फटा, हाथ-पैर झुलसे

बिलासपुर। न्यायधानी बिलासपुर के सरकंडा थाना क्षेत्र स्थित सेंट्रल लाइब्रेरी में एक छात्र के साथ मोबाइल विस्फोट की चौंकाने वाली घटना सामने आई। जानकारी के अनुसार, छात्र राम कश्यप दोपहर लगभग 12 से 1 बजे के बीच पढ़ाई समाप्त कर भोजन के लिए बाहर निकले थे, तभी अचानक उनकी पैंट की जेब से धुआं निकलने लगा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, साथ मौजूद उनके मित्र शिवेंद्र सिंह ने सबसे पहले धुआं उठते देखा। देखते ही देखते स्थिति गंभीर हो गई और जेब में रखा मोबाइल अचानक आग की लपटों के साथ फट गया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

इंडिगो नवी मुंबई से 30 से अधिक नये मार्गों पर शुरू करेगी उड़ानें

नयी दिल्ली। देश की प्रमुख विमान सेवा प्रदाता कंपनी इंडिगो ने 29 मार्च से 23 अप्रैल के बीच नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से 30 से अधिक नये मार्गों पर उड़ानें शुरू करने की घोषणा की है। एयरलाइंस ने बताया कि नये मार्गों में नवी मुंबई से आगरा, अयोध्या, बागडोगरा, बेलगांव, चंडीगढ़, दीव, कन्नूर, कोलकाता, पटना, राजकोट, श्रीनगर, वाराणसी और विशाखापत्तनम् के लिए उड़ानें शामिल होंगी। इन उड़ानों के साथ नवी मुंबई से और नवी मुंबई के लिए इंडिगो की सप्ताह में 400 से अधिक उड़ानें हो जायेंगी।

सिद्दारमैया ने हिंदी को अनिवार्य बनाने का फिर से किया विरोध

मैसूर। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने एक बार फिर से हिंदी का विरोध करते हुए हिंदी को अनिवार्य नहीं बनाए जाने की बात कही और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को इसी साल से लागू करने पर बल दिया है। उन्होंने राज्य सरकार के रुख को स्पष्ट करते हुए कहा कि हिंदी सीखने में कोई आपत्ति नहीं है लेकिन परीक्षाओं में इसे अनिवार्य नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि इस नीति के कई पहलू विपक्ष के पक्ष में दिखते हैं। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा, हमने कहा है कि हिंदी को अनिवार्य नहीं बनाया जाना चाहिए। इसे इसी साल से लागू किया जाना चाहिए। सरकार ने यह फैसला कर लिया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने शिक्षा में नवाचार पर दिया जोर कोरिया जिले के किसानों के जल संरक्षण प्रयासों की सराहना की

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम 'मन की बात' में शिक्षा में प्रयोग आधारित सीख के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने 'करत-करत अभ्यास के, जड़मत होत सुजान' कहावत का जिक्र करते हुये कहा कि निरंतर अभ्यास से ही ज्ञान और समझ बढ़ती है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि छात्र सबसे बेहतर तब सीखते हैं, जब वे किसी विषय में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं और खुद प्रयोग करके समझते हैं। मोदी ने बेंगलुरु में चल रही एक अनूठी पहल का जिक्र किया, जहां 'प्रयोग शिक्षा अनुसंधान संस्थान' की टीम स्कूल स्तर पर विज्ञान शिक्षा को लोकप्रिय बनाने का कार्य कर रही है। इस टीम द्वारा शुरू किए गए 'अन्वेषण' कार्यक्रम के तहत 9वीं से 12वीं कक्षा के छात्रों को केमिस्ट्री, अर्थ साइंस और वेलनेस जैसे विषयों में नवाचार और रिसर्च करने का अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि इस पहल के माध्यम से छात्रों को न केवल अनुसंधान का व्यावहारिक अनुभव मिलता है, बल्कि उन्हें अपने प्रोजेक्ट्स को प्रकाशित करने का मंच भी उपलब्ध होता है। मोदी ने कहा कि परीक्षा पर चर्चा के दौरान कई छात्रों ने विज्ञान पढ़ने की इच्छा जताई, लेकिन साथ ही डर भी व्यक्त किया।

'मन की बात' ने जनता से सीधा जुड़ाव मजबूत किया तेलंगाना की पहल को मिली सराहना : किशन रेड्डी

हैदराबाद। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कार्यक्रम 'मन की बात' अब एक ऐसा अनूठा मंच बन गया है, जो सीधे तौर पर देश की जनता से जुड़ता है और विभिन्न सामाजिक, आर्थिक तथा विकास संबंधी पहलों को सामने लाता है। कार्यक्रम के ताजा संस्करण को देखने के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों से 'मन की बात' आम नागरिकों, नवाचार करने वालों और समाजसेवियों की प्रेरणादायक कहानियों को सामने ला रहा है और देशभर के गांवों व क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर हो रहे कार्यों को पहचान दिला रहा है। उन्होंने बताया कि हर महीने के अंतिम प्रसारित होने वाला यह कार्यक्रम प्रधानमंत्री और जनता के बीच एक मजबूत संबंध स्थापित करने में सफल रहा है। किशन रेड्डी ने खुशी जताई कि हालिया एपिसोड में तेलंगाना का विशेष उल्लेख किया गया। प्रधानमंत्री ने सूर्यापेट के युवाओं की उपलब्धियों और मंचेरियल जिला में सामुदायिक जल संरक्षण प्रयासों की सराहना की।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सुनी 'मन की बात' की 132वीं कड़ी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री निवास में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 132वीं कड़ी सुनी और इसे राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरणादायी बताया। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम देश के कोने-कोने में हो रहे सकारात्मक नवाचारों और जनभागीदारी को राष्ट्रीय मंच प्रदान कर समाज में नई ऊर्जा और प्रेरणा का संचार करता है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा कोरिया जिले के किसानों के जल संरक्षण प्रयासों की सराहना छत्तीसगढ़ के लिए अत्यंत गर्व और प्रेरणा का विषय है। यह दर्शाता है कि प्रदेश में जमीनी स्तर पर हो रहे कार्य अब राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'आवा पानी झोंकी' जैसे अभिनव मॉडल के माध्यम से किसानों ने अपने खेतों में रिचार्ज तालाब और सोख्ता गड्ढों का निर्माण कर वर्षा जल को सहेजने का सराहनीय कार्य किया है। यह जनभागीदारी आधारित पहल भूजल स्तर में सुधार की एक सशक्त मिसाल बन चुकी है और अन्य क्षेत्रों के लिए भी मार्गदर्शक बन रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल संरक्षण अब एक जन आंदोलन का रूप ले चुका है और छत्तीसगढ़ में भी इसे जनभागीदारी से जोड़ते हुए व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने प्रदेशवासियों से जल संरक्षण को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने और इसमें सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा मत्स्य उत्पादन में आत्मनिर्भरता, फिटनेस को बढ़ावा, शुगर इंटेक में कमी और खेलों के लिए अनुकूल वातावरण निर्माण जैसे विषयों पर दिए गए संदेश अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायी हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मत्स्य पालन को बढ़ावा देने, युवाओं को खेलों से जोड़ने और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करने के लिए योजनाबद्ध प्रयास किए जा रहे हैं।

जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और युवाओं के लिए नए अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री साय ने पश्चिमी एशिया में उत्पन्न परिस्थितियों के संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए संदेश का उल्लेख करते हुए कहा कि देश हर चुनौती का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है और केंद्र तथा राज्य सरकारें समन्वय के साथ कार्य कर रही हैं।

उन्होंने प्रदेशवासियों को आश्वस्त किया कि छत्तीसगढ़ में पेट्रोलियम उत्पादों, रसोई गैस और अन्य आवश्यक वस्तुओं की पर्याप्त उपलब्धता है तथा आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सुचारु और सामान्य है।

उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अफवाहों से दूर रहें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करें। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि जनभागीदारी की शक्ति के साथ जल संरक्षण को और मजबूत कर छत्तीसगढ़ को सुरक्षित, समृद्ध और जल-संपन्न भविष्य की ओर ले जाने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा प्रदेश निरंतर नवाचार, सहभागिता और सुशासन के माध्यम से विकास की नई दिशा तय कर रहा है।

संग्रहण केंद्रों में लाखों मीट्रिक टन धान का जमाव कमीशनखोरी के लिए अटकाया गया : दीपक बैज

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने राज्य के धान संग्रहण केंद्रों में बड़ी मात्रा में धान खुले में पड़े रहने पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने आरोप लगाया है कि कमीशन नहीं मिलने के कारण राज्य सरकार जानबूझकर मीलरों को धान जारी नहीं कर रही है, जिससे लाखों मीट्रिक टन धान केंद्रों में जाम स्थिति में पड़ा हुआ है। बैज के अनुसार प्रदेशभर में 24 लाख टन से अधिक धान संग्रहण केंद्रों में खुले में पड़ा है, जबकि उठाव नहीं होने से उसकी गुणवत्ता पर असर पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि अकेले बेमेतरा जिले में ही 7 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान जमा है। उनका कहना है कि मीलर अनुबंध के तहत धान लेने को तैयार हैं, इसके बावजूद सरकार धान का वितरण नहीं कर रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि धान को लंबे समय तक खुले में रखने से नमी और मौसम के प्रभाव से उसकी गुणवत्ता में गिरावट आएगी और वजन में कमी भी होगी, जिससे सरकारी नुकसान बढ़ेगा। उन्होंने आशंका जताई कि बाद में धान खराब होने का ठीकरा अन्य कारणों पर फोड़ा जा सकता है। बैज ने यह भी कहा कि मीलरों और सरकार के बीच कमीशन को लेकर विवाद चल रहा है।

मार्कफेड के जिला स्तर पर प्रबंधकों द्वारा कथित रूप से प्रति टन 20 रुपये की वसूली के बाद ही डीओ जारी किए जाने की बात सामने आ रही है, जिसके चलते धान उठाव प्रभावित हो रहा है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सरकार धान को रोककर बाद में नीलामी के माध्यम से कम कीमत पर बेचने की योजना बना रही है। बैज ने कहा कि यदि 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदा गया धान 2000 रुपये में बेचा गया, तो इससे बड़े स्तर पर अनियमितता और कमीशनखोरी की आशंका है। कांग्रेस ने सरकार से तत्काल धान उठाव सुनिश्चित करने और स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है।

केरल चुनाव में राहुल गांधी कई जनसभाओं को करेंगे संबोधित

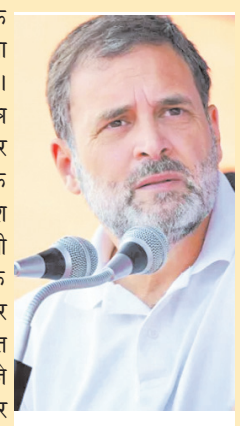

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी केरल विधानसभा चुनाव में प्रचार के लिए वहां जायेंगे।

गांधी केरल के दौरे में विभिन्न स्थानों पर जनसभाओं और कॉर्नर मीटिंग्स को संबोधित कर कांग्रेस के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश करेंगे। तय कार्यक्रम के अनुसार गांधी सुबह 11:30 बजे अडूर के केएसआरटीसी जंक्शन पर कॉर्नर मीटिंग से अपने दौरे की शुरुआत करेंगे। इसके बाद दोपहर एक बजे पतनमथिट्टा के पुराने बस स्टैंड पर दूसरी कॉर्नर मीटिंग को संबोधित करेंगे। गांधी दोपहर में कोट्टायम जिले के पुथुप्पल्ली स्थित पंपडी बस स्टैंड पर एक बड़ी जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद शाम चार बजे कंजीकुझी जंक्शन, कोट्टायम में उनका स्वागत कार्यक्रम आयोजित होगा।

दौरे का समापन शाम में अथिरामपुझा सेंट्रल जंक्शन, कोट्टायम में जनसभा के साथ होगा।

जवानों ने एक नक्सली को किया ढेर, सर्च ऑपरेशन जारी

सुकमा। नक्सल प्रभावित सुकमा जिले के गट्टापाड़ क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हुई है। इस मुठभेड़ में अब तक एक नक्सली के मारे जाने की खबर है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर इसकी पुष्टि का इंतजार किया जा रहा है। दरअसल, केंद्र सरकार ने देश से नक्सलवाद खत्म करने के लिए 31 मार्च 2026 की जो डेडलाइन तय की थी, उसमें अब महज दो दिन का वक्त बचा है। इसी बीच सुकमा के अंदरूनी इलाकों में फोर्स ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। ग्राउंड सूत्रों के अनुसार, गट्टापाड़ के घने जंगलों में नक्सलियों की बड़ी मौजूदगी की सूचना मिली थी, जिसके बाद जवानों की एक संयुक्त टीम सर्चिंग पर निकली थी। जब जवान इलाके की घेराबंदी कर रहे थे, तभी घात लगाए नक्सलियों ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में सुरक्षाबलों ने भी तुरंत मोर्चा संभाला और जवाबी कार्रवाई की। काफी देर तक जंगलों के बीच दोनों ओर से गोलियों की तड़तड़ाहट सुनाई देती रही। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, मौके पर एक नक्सली का शव देखा गया है। गौरतलब है कि इस पूरे ऑपरेशन की पल-पल की मॉनिटरिंग खुद सुकमा एसपी किरण चव्हाण कर रहे हैं। मुठभेड़ के बाद इलाके में बैकअप फोर्स को भी रवाना कर दिया गया है ताकि नक्सलियों के भागने के सभी रास्तों को ब्लॉक किया जा सके। सूत्रों ने बताया कि मारे गए नक्सली की शिनाख्त की कोशिश की जा रही है और सर्चिंग टीम को मौके से हथियार और अन्य नक्सली सामग्री भी बरामद होने की उम्मीद है। फिलहाल गट्टापाड़ और आसपास के जंगलों में सर्च ऑपरेशन और भी तेज कर दिया गया है। इस मुठभेड़ और 31 मार्च की डेडलाइन के करीब आने से बस्तर के अंदरूनी इलाकों में भारी हलचल है। सुरक्षा बलों के बढ़ते दबाव से जहां आम ग्रामीणों में सुरक्षा का भाव जाग रहा है, वहीं नक्सली बैकफुट पर हैं। आने वाले 48 घंटे सुकमा और बीजापुर के सरहदी इलाकों के लिए बेहद संवेदनशील माने जा रहे हैं, क्योंकि प्रशासन इस डेडलाइन तक नक्सलियों की कमर तोड़ने के पूरे मूड में दिख रहा है।

28 मार्च को तेहरान में साइंस एंड टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय पर हुआ हमला

तेहरान विश्वविद्यालय पर अमेरिकी हमले के बाद ईरान का जवाबी हमला करने की चेतावनी

नयी दिल्ली। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने चेतावनी दी कि अगर 30 मार्च दोपहर 12 बजे तक अमेरिका और इजरायल ईरान के शिक्षण संस्थानों पर हुई बमबारी की निंदा नहीं करते हैं, तो वे पश्चिम एशिया में अमेरिकी और इजरायली विश्वविद्यालयों पर जवाबी हमले करेंगे। ईरानी अधिकारियों ने मार्च महीने में विश्वविद्यालय और कई शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों पर अमेरिकी-इजरायली हमलों की जानकारी दी है, जिसमें 28 मार्च को तेहरान में साइंस एंड टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय पर हुआ हमला भी शामिल है। ईरानी मीडिया ने बताया कि वैज्ञानिक और अनुसंधान के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है और कम से कम पांच लोग मारे गए हैं। आईआरजीसी ने एक बयान में ईरानी विश्वविद्यालय पर हुई बमबारी की निंदा करते हुए पश्चिम एशिया में मौजूद अमेरिकी और इजरायली विश्वविद्यालय को 'वैध लक्ष्य' बताया। आईआरजीसी ने कहा कि अमेरिकी

और इजरायली सेनाओं ने तेहरान साइंस एंड टेक्नोलॉजी विश्वविद्यालय पर बमबारी करके एक बार फिर ईरानी विश्वविद्यालय को निशाना बनाया है। बयान में कहा गया है कि अमेरिका को यह पता होना चाहिए कि अब से पश्चिम एशिया में मौजूद सभी अमेरिकी और इजरायली विश्वविद्यालय हमारे लिए वैध लक्ष्य होंगे, ईरानी विश्वविद्यालय के बदले में दो विश्वविद्यालयों पर हमला किया जाएगा। आईआरजीसी ने इस क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी विश्वविद्यालय के कर्मचारियों, प्रोफेसरों और छात्रों, साथ ही आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों को भी सलाह दी कि वे अपनी जान बचाने के लिए बताए गए विश्वविद्यालय से कम से कम एक किलोमीटर दूर रहें। इसमें कहा गया है कि अगर अमेरिकी प्रशासन चाहता है कि इस क्षेत्र में उसके विश्वविद्यालय उन दो विश्वविद्यालयों में शामिल न हों जिन्हें जवाबी हमले के लिए निशाना बनाया जाएगा, तो उसे सोमवार, 30 मार्च को दोपहर 12 बजे (तेहरान समय) तक ईरानी विश्वविद्यालय पर हुई बमबारी की निंदा करते हुए एक आधिकारिक बयान जारी करना होगा। आईआरजीसी ने चेतावनी दी कि अगर अमेरिका चाहता है कि उसके बाद इस क्षेत्र में उसके विश्वविद्यालय पर हमला न हो, तो उसे अपनी सेनाओं को विश्वविद्यालय और अनुसंधान केंद्रों पर हमला करने से रोकना होगा, अन्यथा यह चेतावनी लागू रहेगी और इसे अंजाम दिया जाएगा।

अमेरिका ईरान में ज़मीनी अभियान की कर रहा है तैयारी

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा विभाग ईरान में कई हफ़्तों तक चलने वाले ज़मीनी अभियान की तैयारी कर रहा है। वाशिंगटन पोस्ट ने अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से यह रिपोर्ट दी है।' अख़बार के अनुसार किसी भी संभावित ज़मीनी अभियान में विशेष ऑपरेशन बलों और पारंपरिक पैदल सेना इकाइयों द्वारा की जाने वाली कार्रवाई शामिल होगी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि क्या अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पेंटागन की उन योजनाओं में से किसी को मंजूरी देंगे। इससे पहले, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने पश्चिम एशिया में अमेरिकी नौसेना के युद्धपोत यूएसएस त्रिपोली के पहुंचने की घोषणा की थी। उल्लेखनीय है कि 28 फरवरी को अमेरिका और इज़रायल ने ईरान में लक्ष्यों पर हमले शुरू किए।

अंतर्राष्ट्रीय संगठन रूसी गैस टैंकर पर हुए हमले की जांच करें : लीबिया

बेनगाज़ी। लीबिया की सर्वोच्च राज्य परिषद के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार आदेल अब्देलकाफी ने कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को देश के तट से दूर भूमध्य सागर में रूसी गैस टैंकर पर हुए हमले की जांच करनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि रूस के परिवहन मंत्रालय ने तीन मार्च को कहा था कि रूसी गैस टैंकर 'आर्कटिक मेटागाज़' पर लीबिया के तट से दूर, भूमध्य सागर में माल्टा के क्षेत्रीय जल क्षेत्र में यूक्रेन की मानवरहित नावों द्वारा हमला किया गया था। अब्देलकाफी ने कहा, इस मुद्दे पर उन संबंधित अंतर्राष्ट्रीय निकायों या संगठनों का ध्यान जाना ज़रूरी है, जिनके पास ऐसी घटनाओं को सुलझाने का अनुभव है, ताकि लीबियाई तट, लीबियाई क्षेत्र और उसके नागरिकों के लिए किसी भी नकारात्मक परिणाम को रोका जा सके। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ-साथ, भूमध्य सागर के तटीय देशों का ध्यान भी ऐसे हमलों को रोकने, समुद्री पर्यावरण की रक्षा करने और इन देशों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बहुत ज़रूरी है। इससे पहले, लीबिया के नेशनल ऑयल कॉर्पोरेशन (एनओसी) ने कहा था कि लीबिया के तट से दूर रूसी द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) टैंकर पर हुए यूक्रेनी हमले के बाद की स्थिति को संभालना उसके लिए संभव है।

इस टैंकर को खींचकर उसके किसी एक बंदरगाह पर ले जाया जाएगा। रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया ज़खारोवा ने बताया कि 100,000 क्यूबिक मीटर एलएनजी ले जा रहे इस टैंकर का प्रोपल्शन और पावर सिस्टम फेल हो गया था, और उसमें आग लगने के साथ-साथ गैस का धमाका भी हुआ था। चालक दल के सभी 30 सदस्यों को बचा लिया गया।

सारंगढ़ में खनिज माफिया हावी? टिमरलगा और कटंगपाली में कार्रवाई के बाद भी वाहनों पर केस नहीं

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले में अवैध उत्खनन को लेकर प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। टिमरलगा और कटंगपाली में कार्रवाई के दौरान कई पोकलेन मशीनें और वाहन पकड़े गए, लेकिन हैरानी की बात यह है कि अब तक किसी भी वाहन पर ठोस कार्रवाई या प्रकरण दर्ज नहीं किया गया। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या जिले में खनिज माफिया प्रशासन पर भारी पड़ रहे हैं? जानकारी के मुताबिक बीते सोमवार को टिमरलगा में छापामार कार्रवाई के दौरान अवैध खदान में उत्खनन करते हुए करीब 10 पोकलेन मशीनें पकड़ी गई थीं।

मौके पर पंचनामा भी बनाया गया, लेकिन आगे की कार्रवाई ठंडी पड़ गई। न तो मशीनों को जब्त किया गया और न ही किसी के खिलाफ केस दर्ज हुआ। इसके बाद फिर से उसी जगह पर धड़ल्ले से खनन शुरू हो गया, जिससे प्रशासन की कार्रवाई पर संदेह गहराने लगा है। वहीं कटंगपाली में भी इसी तरह का मामला सामने आया। यहां गुरुवार को कटंगपाली-छैलफोरा में बंद पड़े खदान से बिना रॉयल्टी पर्ची के खनन कर खनिज को हाईवा वाहनों के जरिए भेजा जा रहा था। सूचना पर पहुंचे पंचायत पदाधिकारियों ने विरोध किया, जिसके बाद खनिज विभाग की टीम मौके पर पहुंची और 4 पोकलेन मशीन व 2 हाईवा वाहन पाए गए। पंचनामा तो बना, लेकिन यहां भी आगे कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इससे साफ संकेत मिल रहे हैं कि कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित रह गई है। जिले में पहले ही खनिज जांच चौकियां बंद होने को लेकर सवाल उठते रहे हैं, और अब कार्रवाई के बाद भी केस दर्ज न होना कई तरह की आशंकाओं को जन्म दे रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अवैध उत्खनन के पीछे बड़े स्तर पर सांठगांठ हो सकती है, तभी इतनी बड़ी कार्रवाई के बाद भी कोई ठोस परिणाम नहीं दिख रहा। फिलहाल हालात यह हैं कि जिले में अवैध उत्खनन बेखौफ जारी है और प्रशासन की सख्ती सिर्फ दावों तक सीमित नजर आ रही है।

कांकेर में भाजपा जिला उपाध्यक्ष पर महिला उत्पीड़न का आरोप,यूनियन ने उठाए सख्त सवाल

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ :-कांकेर जिला में एक महिला के साथ भाजपा के जिला उपाध्यक्ष बृजेश चौहान द्वारा किए गए शारीरिक उत्पीड़न की मामला सामने आने पर राजमिस्त्री मजदूर रेजा कुली एकता यूनियन के संतोषी बरिहा और बीमा गोदरा ने आज एक संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि यह दुराचारी लोगों का चरित्र रावण से भी नीचा है। यह लोगों को ही मर्यादा पुरुषोत्तम राम के नाम की जरूरत इसलिए पड़ती है क्यों कि इनके रावण से भी घटिया कार्य को राम के नाम के पीछे छिपा लेने में आसानी से सफल हो सके। इसके पहले भी जिला में भाजपा नेता ब्रह्मानंद नेताम पर भी किशोरी के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगा था। दोनों महिला नेत्रियों ने कहा कि आज भाजपा के सबसे बड़ा नेता महामानव पर भी महिलाओं के शोषण करने का आरोप भाजपा के ही नेता सुब्रह्मण्यम स्वामी खुले आम लगा रहे है। उन्होंने कहा कि ÷मोदीनामा÷ के लेखिका भी प्रधानमंत्री पर महिलाओं के साथ शारीरिक शोषण करने का आरोप लगा रही है। एपस्टिन फाइल में भी भाजपा नेताओं का जिसमें केंद्रीय मंत्री भी शामिल है का नाम आना इनके चेहरे से मुखौटा को निकाल दिया है। यूनियन के नेताओं ने कहा कि भाजपा वैचारिक रूप से महिला, आदिवासी और दलित विरोधी है। वे महिलाओं को सिर्फ पुरुष के उपभोग के वस्तु के रूप में ही देखता है। भाजपा की वैचारिक गुरु आर एसएस देश में बाबा साहेब आंबेडकर के संविधान के बदले जिस मनुस्मृति को वे देश में लागू करना चाहते है उस मनुस्मृति में महिलाओं को सिर्फ पुरुषों के अधीन होकर रहने की बात करता है। मनुस्मृति की इस विचारधारा से ही भाजपा के नेता प्रेरित है और महिलाओं को अपने हवस का निशाना बना लेता है।अब भाजपा का असली चेहरा सामने आनेलगा है। इनके पार्टी में महिला कार्यकर्ताएं भी भाजपा नेता के यौन शोषण के स्वीकारहोते है। जिला में भाजपा उपाध्यक्ष पर लगेआरोप पर भाजपा द्वारा घटित 5 सदस्यीय29 जांच समिति गठन पर उन्होंने कहा कि येसमिति सिर्फ आंखों में धूल झोंकने का ही कार्य करेगी, क्योंकि इस पार्टी के सबसे बड़ा नेता पर भी इस प्रकार का आरोप लग रहे है। जिस पार्टी की विचारधारा ही महिला विरोधी है उस पार्टी से महिलाओं की न्याय की बात

बेमानी है। उन्होंने भाजपा की इस महिला विरोधी विचारधारा के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया है।

गमपुर में सेचुरेशन शिविर का निरीक्षण, योजनाओं का लाभ पहुंचाने अफसरों ने दिए निर्देश

बीजापुर। ग्राम गमपुर में आयोजित सेचुरेशन शिविर का निरीक्षण करने पहुंचे अधिकारियों ने योजनाओं का लाभ हर पात्र ग्रामीण तक पहुंचाने के निर्देश दिए। एसडीएम जागेश्वर कौशल और सीईओ जनपद ने 26 मार्च को आयोजित शिविर की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों से बातचीत कर आधार कार्ड, वोटर आईडी, जन्म प्रमाण पत्र, बैंक खाता और राशन कार्ड जैसे जरूरी दस्तावेजों की उपलब्धता की जानकारी ली। उन्होंने इन दस्तावेजों के महत्व और उन्हें बनवाने की प्रक्रिया भी समझाई। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद कर्मचारियों को निर्देशित किया कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचाया जाए और इसमें किसी तरह की लापरवाही न हो। इस दौरान ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव को स्वीकृत आंगनवाड़ी भवन व पंचायत भवन के निर्माण कार्य को जल्द शुरू करने के निर्देश भी दिए गए। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। लोगों ने विभिन्न योजनाओं की जानकारी ली और उनका लाभ उठाया। अधिकारियों के मुताबिक ऐसे शिविरों से ग्रामीणों को एक ही जगह पर जरूरी सेवाएं और योजनाओं का फायदा मिल रहा है।

मुसुरपुड़ा में कथित पशु तस्करी का मामला गरमाया, निष्पक्ष जांच और सख्त कार्रवाई की मांग

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ कांकेर जिले के धुरवा क्षेत्र अंतर्गत मुसुरपुड़ा ग्राम में मवेशियों की कथित अवैध खरीद-फरोख्त और तस्करी का मामला सामने आने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव में मवेशियों को एकत्र कर बाहरी राज्यों, विशेषकर उड़ीसा से आए कथित दलालों के माध्यम से उनकी नीलामी किए जाने के आरोप लगाए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि इसके बाद मवेशियों को उड़ीसा और पश्चिम बंगाल के रास्ते अन्य स्थानों पर भेजा जाता है। इस मामले को लेकर स्थानीय नागरिकों,सामाजिक संगठनों और पत्रकारों द्वारा समय-समय पर आपत्ति जताई गई है। बावजूद इसके, आरोप है कि यह गतिविधियां लंबे समय से जारी हैं, जिससे क्षेत्र में चिंता और आक्रोश का माहौल बना हुआ है। यह भी कहा जा रहा है कि मामले की जानकारी संबंधित अधिकारियों तक पहुंचने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। ऐसे में आरोपों की पुष्टि और वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने के लिए निष्पक्ष जांच की मांग तेज हो गई है। प्रेस विज्ञप्ति में प्रशासन से प्रमुख मांगें रखते हुए कहा गया है कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए। अवैध गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों की पहचान कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए, साथ ही मवेशियों के अवैध परिवहन और तस्करी पर तत्काल रोक लगाई जाए। संबंधित अधिकारियों की भूमिका की भी जांच कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की गई है। प्रेस विज्ञप्ति में चेतावनी दी गई है कि यदि जल्द ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो जनभावनाओं को देखते हुए व्यापक जनआंदोलन की स्थिति बन सकती है, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

आईपीएलः चांपा में हर बाल में लग रहा लाखों का दांव

हर बॉल पर लाखों की बाज़ी, चांपा में सट्टेबाज फिर सक्रिय

चांपा/मूक पत्रिका

आईपीएल क्रिकेट का दौर 28 मार्च से शुरू हो चुका है। सटोरिए हर रोज के मैच में अब हर बाल में लाखों के दांव लगा रहे हैं। साथ ही बैकों में ट्रांजक्शन का दौर भी बढ़ते क्रम में रहेगा। क्योंकि लेन-देन बैंक खाते के माध्यम से होना है। वहीं सटोरिए ऑनलाइन के माध्यम से सट्टा खिलवाना शुरू कर दिए हैं। प्रदेश में सट्टी की राजधानी के नाम पर चर्चित सक्ती जिला काफी सुर्खियों में रहता है। यहां प्रदेश स्तर के सट्टा संचालकों का सिंडीकेट है। सूत्रों का तो यह भी कहना है कि यहां हर चौथे घरों में एक क्रिकेट सटोरिया है। बीच में एसपी अंकिता शर्मा थीं तब दो साल तक सटोरियों की एक भी नहीं चली। सटोरिए बाहर के बड़े शहरों में जाकर होटलों में ठहरकर करोड़ों के दांव लगवाते थे। लेकिन वही सटोरिए अब फिर शहर में ही दांव लगवाना शुरू कर दिए हैं। बताया जा रहा है कि 28 मार्च के शुरुआती दिनों से ही यहां के बड़े सटोरिए अपने अपने निचले स्तर के सटोरियों को आईडी बांट चुके हैं और ऑनलाइन गेम संचालित करा रहे हैं। सूत्रों की माने तो प्रदेश में सबसे बड़ा सट्टा सक्ती शहर में चलता है। शहर के नक्शेकदम में क्षेत्र के गांवों में भी सटोरिया दांव लगाने पीछे नहीं हट रहे हैं।

दूसरे क्रम में चांपा नगरी –

इसी तरह दूसरे क्रम पर कोसा कांसा कंचन की नगरी में दांव लगाते हैं। यहां भी हर दिन करोड़ों रुपए का सट्टा होता है। यहां भी गली कूचों में करोड़ों का दांव लगता है। शाम 7:30 बजे के बाद सटोरिए भूमिगत हो जाते हैं और उनका मोबाइल बिजी बताने लगता है। फिर रात 12 बजे के बाद उनका मोबाइल ऑन मोड में आता है। पहले खुलेआम डॉट पेन से सटोरिया दांव लगाते थे लेकिन अब ऑनलाइन गेम संचालित होता है। जिसे पकड़ पाना पुलिस वालों के लिए कठिन होता है।

कोई कंगाल तो कोई रातों रात करोड़पति –

आईपीएल क्रिकेट दौर के दौरान बड़ी बड़ी घटनाएं सामने आती है। मैच के दौरान कोई युवा रातों रात करोड़पति बन जाता है तो कई लोग घर को कंगाल कर देता है। करोड़पति बेटों के बिगड़े नवाबों की हरकतों से घर भी पूरी तरह से कंगाल हो जाता है। ऐसे कई घर देखने को मिला है। जिनके पुत्रों ने घरों को तबाह कर दिया है। किसी को घर को बेचना पड़ गया है तो कोई रातों राम मर्सीडीज की सवारी करता है।

कांकेर में लाल आतंक को बड़ा झटकाः 3 और माओवादियों ने किया सरेंडर, 3 दिनों में कुल 9 ने छोड़ा हिंसा का साथ

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ :- छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में नक्सलवाद के खिलाफ पुलिस को एक और बड़ी कामयाबी मिली है। कांकेर जिले में विकास और विश्वास की नीति रंग ला रही है। आज तीन और सक्रिय माओवादी कैडरों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने का निर्णय लिया है।कांकेर एसपी निखिल राखेचा ने बताया कि जिले में चल रहे पुनर्वास अभियान के तहत पिछले तीन दिनों में कुल 9 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है।25 और 26 मार्च को 06 कैडरों ने सरेंडर किया था।आज 28 मार्च 2026 को 03 और माओवादियों ने हथियारों के साथ पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वाले मुख्य नामःष्टरू राधिका कुंजाम,ष्टरू संदीप कड़ियम,क्करू रैनू पद्दाइन माओवादियों ने अपने साथ 03 अत्याधुनिक हथियार भी सौंपे हैं, जिनमें 02 नग स्ल्क और 01 नग . 303 राइफल शामिल है।बस्तर रेंज के आईजी सुन्दरराज पट्टिलिंगम ने इन सभी 09 कैडरों के फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने अन्य सक्रिय माओवादियों से भी अपील करते हुए कहा:÷हिंसा का रास्ता छोड़ने के लिए अब कुछ ही समय शेष रह गया है। इस अवसर का लाभ उठाएं, अपने हिंसक अतीत को त्यागें और एक सामान्य, शांतिपूर्ण और सम्मानजनक जीवन की शुरुआत करें।÷पुलिस अब सरेंडर कर चुके इन कैडरों से मिली जानकारी के आधार पर इलाके में सक्रिय अन्य माओवादियों से भी संपर्क साधने की कोशिश कर रही है, ताकि क्षेत्र में पूर्ण शांति बहाली की जा सके।

सरिया पुलिस की अवैध शराब के विरुद्ध कार्यवाही

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

पुलिस अधीक्षक श्री आंजनेय वार्ष्णेये,अति0 पुलिस अधीक्षक श्रीमती निमीषा पाण्डेय एवं एसडीओपी श्रीमती स्नेहिल साहू के द्वारा अवैध शराब बिक्री एवं परिवहन पर रोकथाम हेतु लगातार निर्देशित किये जाने पर थाना प्रभारी प्रमोद यादव के कुशल मार्ग दर्शन में थाना सरिया पुलिस के द्वारा अवैध शराब बिक्री हेतु परिवहन करने वाले व्यक्ति के विरुद्ध कार्यवाही कर गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त हुई।

अप0क्रं0 65/2026 धारा-34(2)59(क) आबकारी एक्ट में दिनांक-29.03.2026 को मुखबिर से अवैध शराब बिक्री हेतु परिवहन करने की सूचना पर घटना स्थल भटली चौक सरिया के पास हमराह स्टाफएवं गवाहन के जाकर घेराबंदी कर रेड कार्यवाही किया जिसमे एक व्यक्ति सायकल में 02थैला में 35 पाव देशी प्लेन मदिरा कुल 06 लीटर 300 स्व्शराब लेकर जा रहा था जिसका नाम पता पूछने पर अपना नाम सुदामा प्रधान सा सांकरा निवासी बताया ।आरोपी के कब्जे से मिले 35 पाव देशी प्लेन मदिरा कीमती 2800 रु और सायकल को जप्त किया जाकर आरोपी को विधिवत् गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया। उपरोक्त कार्यवाही में थानाप्रभारी प्रमोद यादव सउनि कमल राजपूत प्रधान आर.टीकाराम पटेल, आरक्षक-लक्ष्मी पटेल, नर्मदा यादव एवं समस्त थाना स्टाफ की प्रमुख भूमिका रही।

नि :शुल्क शिक्षा के लिए आरटीई में ऑनलाइन आवेदन 31 मार्च तक

सारंगढ़-बिलाईगढ़। शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के तहत जरूरतमंद और पात्र छात्रों को नर्सरी से क्लास - बारहवीं तक निःशुल्क शिक्षा दिया जाता है इसके लिए ऑनलाइन आवेदन 31 मार्च 2026 तक जमा किये जा सकते है, जिसका वेबसाईट आरटीई डॉट सीजी डॉट एन आई सी डॉट इन https://rte.cg.nic.in/ है। इस अधिनियम के तहत 3 से 6द्व वर्ष तक के बच्चे किसी भी प्राइवेट स्कूल के प्रारंभिक कक्षा मे प्रवेश ले सकते है। आवेदन पत्र ऑनलाइन भरने के लिए पासपोर्ट फेटो, आधार कार्ड, जाति, निवास जैसे कई दस्तावेज पालक की होनी चाहिए।

डी ए वी जांता का परीक्षा परिणाम रहा बेहतर रिजल्ट घोषणा के बाद विद्यार्थियों व माता पिता के चेहरा खिल उठे

डी ए वी जांता में पालक बालक शिक्षक मीटिंग का भव्य आयोजन

दाढ़ी/मूक पत्रिका

दाढ़ी क्षेत्र का एक मात्र सी बी एस ई एफ्फिलेटेड स्कूल डी ए वी जांता में पालक बालक शिक्षक संगोष्ठी का शानदार आयोजन हुआ। विद्यार्थियों के पढ़ाई स्तर व परीक्षा परिणाम को जानने के लिए बड़ी संख्या में माता-पिता विद्यालय पहुँचे, डी ए वी स्कूल में सी बी एस ई शिक्षा व पाठ्यक्रम को लेकर लोगों की सोच बदलने का अद्वितीय कार्य किया जा रहा है। डी ए वी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल जाँता के प्राचार्य पी.एल. जायसवाल ने बताया कि डी ए व्ही स्कूल अपने सी.बी.एस.ई. शिक्षा के साथ-साथ नैतिक शिक्षा, व अच्छी संस्कार व सी.बी.एस.ई. के प्रत्येक एक्टिविटी के लिए जाना जाता है। महर्षि दयानंद सरस्वती जी के नाम से ही दयानंद एंग्लो वैदिक विद्यालय प्रारंभ हुआ है।महर्षि दयानंद जी आर्य समाज के संस्थापक है।संस्था में प्रत्येक शनिवार को वैदिक हवन यज्ञ व संस्कार को लेकर नैतिक शिक्षा की पढ़ाई निरंतर होते आ रहा हैं, कक्षा के.जी.एक से कक्षा चौथी तक शुक्रवार को व कक्षा पाँचवी से नवमीं व ग्यारहवीं कक्षा तक शनिवार को वार्षिक परीक्षा परिणाम रिजल्ट की घोषणा किया गया।जैसे ही परीक्षा परिणाम कि घोषित हुए, सभी छात्रों की चेहरे में खुशी की लहर दौड़ पड़ी इसी बीच विद्यालय के परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा, इसी के साथ विद्यालय के विद्यार्थियों ने यह साबित कर दिया है कि मेहनत, लगन व सही मार्गदर्शन से व्यक्ति जमीन से आसमान तक कि सफर तय कर सकते हैं, प्रतिभा सुविधाओं का मोहताज नहीं होती, यह साबित किए है, उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम आने के पश्चात सिर्फ छात्र-छात्राओ में ही नही बल्कि पालकों में भी कॉफी उत्साह का माहौल रहा। सभी प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को मोमेंटो,मैडल एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। डी ए वी विद्यालय दाढ़ी बेमेतरा क्षेत्र के लिए वरदान साबित हुए हैं यहाँ सी बी एस ई शिक्षा के व महत्व को देखते हुए डीएवी में अपने बच्चों के नए प्रवेश हेतु पालको का उत्साह ओर भी बढ़ गया है।प्राचार्य जायसवाल ने बताया कि आगामी शिक्षा सत्र 26-27 के नए पालको ने बड़ी संख्या में अपने पाल्य-पाल्या को विद्यालय में प्रवेश करवाए है विद्यालय द्वारा चारों दिशाओं में (ट्रांसपोर्ट) बस सुविधा भी प्रदान किए हैं ताकि अधिक से अधिक बच्चों को एशिया महाद्वीप के सबसे बड़े ग़ैर सहकारी वैदिक शिक्षण संस्थान, दयानंद एंग्लो वैदिक विद्यालय में सीबीएसई शिक्षा आसानी से व कम ख़र्च में उचित शिक्षा सभी को प्रदान कर सकें , इस भव्य आयोजन में लगभग सात सौ से अधिक अभिभावकों ने विद्यालय पहुंच कर अपने पाल्य पाल्यो का परीक्षा परिणाम व पालक मीटिंग में शामिल हुए, विद्यालय से शिक्षक ललित देवांगन, गोविंद साहू, अकलेश पटेल,आयुषी जैन,अनिल चंद्रवंशी, दीपिका वर्मा, विमल साहू, ऐश्वर्य देशमुख,पुनम शर्मा, साक्षी शर्मा, संदीप कुमार साहू,ममता चंद्राकर,अभिषेक कुमार, प्रवीण कुमार, माननी, शोभा रानी, रेणुका पटेल, रितिका साहू,राजा,लेखनी चंद्राकर, प्रीति यादव,स्वप्निल शर्मा, आर्य निधि, गौरी यादव , भारती, अनिल कुमार, कैलाश सिंह, अन्नू चन्द्रकाकर, सुखदेव साहू, रूखमणी, रामेश्वरी,यादव, युवराज चंद्राकर, नरेश साहू, विजय चंद्राकर, कुंती यादव सहित बड़ी संख्या में अभिभावकगण उपस्थित रहे।

सीख

बच्चों के 'विलेन' न बनें पैरेंट्स

बोर्ड परीक्षाओं के आते ही बच्चों से ज्यादा उनके परिजन तनाव में आ जाते हैं। इसका असर उनके बच्चों पर भी पड़ता है। इसके चलते बच्चों की बेहतरी चाहने वाले पैरेंट्स अनजाने में उनके साथ बुरा कर जाते हैं। वहीं, बच्चे भी खुद को साबित करने और माता-पिता के सपनों को पूरा करने के दबाव में आ जाते हैं। ऐसे में जरूरत है कि पैरेंट्स अपने बच्चों के व्यवहार पर नजर बनाए रखें। उनकी समस्याओं को समझने की कोशिश करें और शांतिपूर्वक उनका समाधान करें। इससे न सिर्फ उनके व्यवहार में बदलाव आएगा, बल्कि उनमें सकारात्मक ऊर्जा भी आएगी। जानें, परीक्षा के दौरान पैरेंट्स को किन बातों का ख्याल रखना चाहिए। बताते हैं आपको:-

बच्चों को बोर्ड का डर न दिखाएं

वरिष्ठ मनोवैज्ञानिक डॉ. संजीव त्यागी ने बताया कि बच्चों में बोर्ड एग्जाम का डर न दिखाएं। बच्चों के सामने बिलकुल हमेशा की तरह ही पेश आएं। ऐसा न करें कि टीवी बंद कर दो, बाहर नहीं जाना, खेलने नहीं देने और हमेशा पढ़ाई के लिए फोर्स करने से बचें। परीक्षा के चलते घर के माहौल को असामान्य न बनाएं। इस माहौल से बच्चे परेशान हो जाते हैं और पढ़ाई और एग्जाम में गलती हो जाती है।

सुने और समझें

परिजनों के लिए डॉ. त्यागी ने कहा कि बोर्ड एग्जाम में बच्चों को सुनें और समझें। उन्होंने कहा कि लोग बच्चों को सुनाते हैं और समझाते हैं, जबकि बच्चों को सुनना चाहिए और उनकी बात समझने की कोशिश करनी चाहिए। पढ़ने के लिए दबाव न डालें। अच्छे मार्क्स मायने रखते हैं, लेकिन बच्चे के गोल को भी जानने की कोशिश करें।

क्रिएटिव बनें

बोर्ड एग्जाम के दौरान पढ़ने के साथ क्रिएटिविटी पर भी ध्यान देना चाहिए। पूरे दिन पढ़ाई कराने के बजाए कुछ ऐसी एक्टिविटी भी कराएं जिनसे उनका पढ़ाई से ध्यान न भटके और उनका माइंड भी फ्रेश हो जाए। पेंटिंग या फिर उनका फेवरेट गेम साथ में खेलें। इससे बच्चे को पढ़ाई से थोड़ा ब्रेक मिलेगा और वे फिर से पढ़ाई शुरू कर पाएंगे।

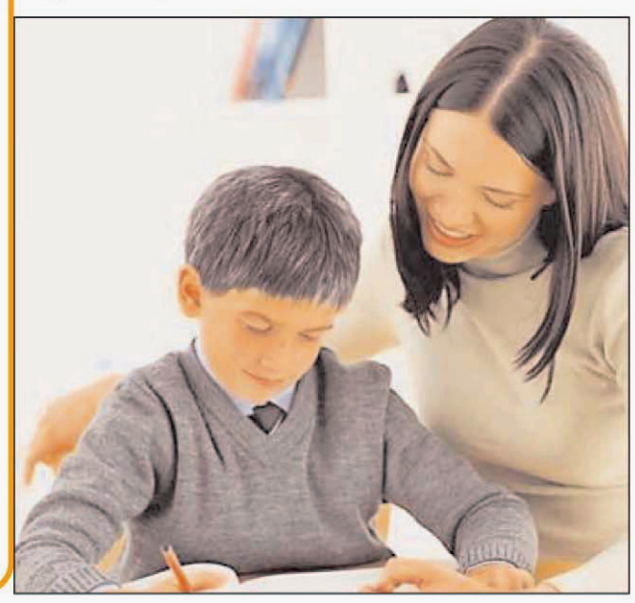

स्टडी रूम का ध्यान रखें

एग्जाम के दौरान बच्चों के स्टडी रूम का ध्यान रखें। डॉ. त्यागी बताते हैं कि यह बच्चों का प्राइवेट स्पेस होता है। उनकी इजाजत के बिना उनकी किसी चीज को हाथ न लगाएं। चीजें इधर-उधर न करें और उनकी किताबों को सलीके से रखें, कमरे की सफाई करें।

मसाज करें

एग्जाम के दौरान बच्चों में अच्छे मार्क्स लाने की टेंशन होती है। माता-पिता फोर्स न भी करें तो भी बोर्ड एग्जाम का दबाव बच्चे समझते हैं। ऐसे में पढ़ाई के साथ बच्चों में एक तरह का दवाब भी रहता है, जिसके कारण अक्सर बच्चों को सिरदर्द की शिकायत होती है। ऐसे में बच्चे के सिर की मसाज करें। इससे उन्हें आराम मिलेगा।

डायट

कोलंबिया एशिया हॉस्पिटल की डायटिशन अदिति के मुताबिक एग्जाम में खाने-पीने का ख्याल बहुत महत्वपूर्ण है। शरीर स्वस्थ रहेगा तो बच्चे भी एकाग्रता और आसानी से पढ़ सकेंगे। उन्होंने 5 सुपरफूड के बारे में बताया जिससे इन दिनों पैरेंट्स बच्चों की सेहत का ख्याल रख सकते हैं।

- अंडा, पालक, बादाम व अनाज में आयरन और विटामिन होते हैं। इनसे बच्चों में एनर्जी बनी रहती है।
- सेब, जामुन, आलू, गाजर, सलाद और ब्राउन ब्रेड में कार्बोहाइड्रेट होता है, जोकि बच्चों में एनर्जी भरते हैं।
- ओमेगा थ्री फैटी एसिड बच्चों के दिमाग और उसका फोकस बढ़ाता है। ऑलिव ऑयल और सीफूड में भी इसके गुण पाए जाते हैं।
- बच्चे के शरीर में पानी की कमी न होने दें। इसके लिए उन्हें मिनरल वॉटर के अलावा, नारियल पानी और अच्छे एनर्जी ड्रिंक्स दें।
- मैग्नीशियम से बच्चों को थकान नहीं महसूस नहीं होती। इसके लिए केला को उनके आहार में शामिल कीजिए।

टॉपर्स टिप्स

- एग्जाम से पहले अपने गोल सेट कर लें और गोल बनाने में ईमानदार रहें।
- ब्रेक बहुत जरूरी है, पढ़ने के बाद अपनी पसंद का कुछ जरूर करें, जिससे रिफ्रेश रह सकें।
- एग्जाम के समय स्वस्थ रहना बहुत जरूरी है और स्वस्थ रहने के लिए सबसे जरूरी है नींद पूरी करना।
- अपने गोल के हिसाब से तीन-चार बार रिविजन जरूर करें।

बदलते मौसम में ऐसे करें अपनी त्वचा की सुरक्षा

क्या आपकी स्किन पर धूप का गहरा असर पड़ता है या फिर ठंड के मौसम में आपकी स्किन रूखी हो जाती है? दरअसल, ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हमारी स्किन बदलते मौसम के अनुरूप खुद को ढाल नहीं पाती। त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. दिलीप हेमनानी बताते हैं कि बदलते मौसम में जरूरी है कि आप अपनी त्वचा को एक अच्छे क्लेन्ज़र और मॉइस्चराइजर से सुरक्षित रखें। आगे की तस्वीरों पर क्लिक करें और जानें, बदलते मौसम में अपनी स्किन को सुरक्षित रखने के टिप्स-

साबुन

5 से 5.5 पीएच वैल्यू के बीच के मुलायम साबुन ही खरीदने चाहिए। आपको यह भी ध्यान रखना चाहिए कि साबुन में पर्याप्त मात्रा में मिनरल ऑइल या ग्लिसरीन हो। यदि आपको ऐसे साबुन नहीं मिलते हैं तो आप शावर के बाद मिनरल ऑइल बेस्ड बॉडी लोशन भी लगा सकते हैं।

हल्के से पोछें बदन

नहाने के बाद इस बात का भी ध्यान रखें कि आप शरीर को पूरी तरह से न सुखाएं बल्कि इसे हल्के से पोंछ लें। ऐसा करने से शरीर की नमी बनी रहेगी।

स्किन हाइड्रेशन

हम अक्सर इस बात को भूल जाते हैं कि शरीर पर त्वचा की मोटाई अलग अलग जगहों पर अलग होती है। इसलिए इनके उपाय भी अलग होने चाहिए। हाथ और पैर कम तेल उत्पन्न करते हैं इसलिए इन्हें बार बार मॉइस्चराइज करने की जरूरत पड़ती है।

पैर

वैसे तो अब सर्दियां खत्म होने को आई लेकिन इस मौसम में भी पैर बेहद रूखे-सूखे से हो जाते हैं। इसलिए उन्हें एक्सफोलिएट करना बहुत जरूरी होता है। एक हिस्सा मिनरल ऑइल के साथ दो हिस्सा ग्लिस्रिन लें और इसे पूरी रात लगाकर रखें। इससे पैर की त्वचा हाइड्रेट होगी और नर्म एवं मुलायम बनेगी।

5. मॉइस्चराइज

12-13 साल से कम उम्र के बच्चों और 55 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों की त्वचा के लिए मॉइस्चराइजर बेहद जरूरी होता है। इस उम्र में शरीर हॉर्मोन पैदा नहीं करता है जिससे त्वचा रूखी हो जाती है। इसलिए शरीर को नियमित तौर पर मॉइस्चराइज करना बहुत जरूरी होती है।

ऐसे पहुंचाएं थकी आंखों को आराम

एग्जाम के दौरान बच्चे घंटों तक पढ़ते हैं। खास तौर पर पढ़ने के लिए वह देर रात तक जागते हैं। इसका सीधा असर आंखों पर पड़ता है। आंखें लाल हो जाती हैं, जलन, पानी आना, धुंधला दिखना या डबल दिखना जैसी समस्या होती है। सेक्टर-28 के योगाचार्य हरीश शर्मा ने बताया कि एग्जाम की तैयारी के समय आंखों की थकावट कैसे कम किया जा सकता है।कम करने के तरीके बता रहे हैं।

आंखों की मालिश करें। इससे आंखों में ब्लड सर्कुलेशन सही रहेगा और यह आंखों के आसपास की मांसपेशियों को आराम देगी। मालिश से टियर ग्लैंड भी ठीक काम करेंगे और सूखेपन का अहसास नहीं होगा। मालिश के लिए उंगलियों से पलकों और भौहों के आसपास की 10-20 सेकंड तक मालिश करें। थकावट को दूर करने के लिए हथेलियों से मालिश करें। इसके लिए हथेलियों को तब तक रगड़ें जब तक कि गरम न हो जाएं और फिर हथेलियों को बंद पलकों पर रख दें।

आंखों की एक्सरसाइज के लिए आप एक पेन या पेंसिल को एक हाथ की दूरी पर आंखों के सामने पकड़ें और धीरे-धीरे उसे अपनी ओर ले आए। उसे तब तक देखते रहे जब तक वो आपको साफ दिख रहा हो। इसके बाद फिर उसे धीरे-धीरे दूर ले जाएं। इसे 10 से 15 बार करें।

ठंडे पानी से आंखों की सिकाई करने से आंखों की सूजन और तनाव दूर होता है। इसके लिए साफ कपड़े में बर्फ लपेटें और उसे बंद आंखों पर रखें। गुलाब जल तनावपूर्ण और थकी आंखों के लिए अच्छा है। इसके अलावा खीरे के टुकड़े आंखों पर रख सकते हैं।

हंसकर मन को करते रहें हल्का

खुश रहना कोई रॉकेट साइंस नहीं है, लेकिन फिर भी लोग खुश नहीं रह पाते। इस बार के सेमिनार में हमारे लाइफ गुरु खुश रहने के तरीके बता रहे हैं। सेमिनार से पहले हमारे रीडर्स ने कई सवाल भेजे जिनमें से कुछ सवालों के जवाब यहां दिए जा रहे हैं।

सेहत

खुश रहना चाहता हूं, लेकिन रह नहीं पाता?

अमीर हो या गरीब, बच्चा हो या जवान सभी खुश रहना चाहते हैं, लेकिन खुशी के लिए केवल सोचने भर से काम नहीं चलता। उसके लिए मन को समझने व उसको अपने काबू में करने की जरूरत है। इसके लिए आप मन को दिनभर के कामों में लीन करें और जिस समय जो भी काम आप कर रहे है, उस काम को मस्ती के साथ करना शुरू कर दें और चेहरे पर मुस्कराहट बनाए रखें। जब भी मौका मिले खिल-खिलाकर हंस दें। जो भी काम कर रहे हैं, उसको जब तब मस्ती के साथ नहीं करोगे, तो खुश नहीं रह सकते। कई बार आप कोशिश तो करते होंगे लेकिन चंचल मन खुशी को भुलाकर परेशानी में ही ले आता होगा। जिस समय मन खुशी से हटाए उसी समय मन में खुशी भर दो। मन का काम है हमें इधर-उधर दौड़ाकर भारी करना और हमारा काम है मन को खुशी देकर उसको हल्का कर देना।

क्या विदेशों में रहने वाले लोग सुखी होते हैं?

सुख-दुख का ताल्लुक बाहर की चीजों से कम, आपके मन से ज्यादा होता है। यूं कहें कि सुख-दुख मन में ही होता है तो गलत नहीं। अमीर हों या गरीब, काले हों या गोरे, इस देश के हों या विदेश के, पढ़े-लिखे हों या अनपढ़, कपड़े अच्छे पहने हुए हों या खराब, झोपड़ी में रहते हों या महल में - बाहर का भेष, देश, भाषा, बर्ताव चाहे कैसा भी हो, लेकिन मन के विकार सबके एक जैसे ही होते है, उसमें बदलाव नहीं होता। ऐसा बिल्कुल नहीं कि महल में रहने वाला दुखी नहीं होता। ऐसा भी नहीं कि विदेश में रहने वाला खुश ही है। यह सब तो मन का खेल है। ऐसा नहीं है कि जगह बदलने से खुशी मिलेगी। ऐसा भी नहीं है कि विदेश में रहने से सुख मिलेगा। जगह बदलने से बेहतर होगा कि मन में बदलाव ले आओ और मन को मजबूत करते जाओ। हर दिन को उत्सव की तरह मनाते हुए जीवन को खुश मन से जीना ही जीवन जीने की कला है।

मैं दूसरों से अपनी तुलना कर दुखी होता हूं?

अगर आधा गिलास भरा सामने रखा हो तो हमें खुद पर गौर करना चाहिए कि हमारी नजर उसके भरे हुए आधे हिस्से पर है या खाली हिस्से पर। भरे हिस्से को देखेंगे तो संतुष्टी का भाव आएगा और खाली हिस्से को देखेंगे तो मन कहेगा आधा खाली क्यों है? खाली हिस्से पर ध्यान जाते ही भरे हिस्से वाला सुख भी चला जाता है। ऐसे ही जो हमारे पास है, उसमें संतुष्ट हैं तो सुखी हैं। हमारे दुख का बहुत बड़ा कारण दूसरों के सुखों से अपनी तुलना करना भी है, क्योंकि तुलना में दुख छिपा है। जब खुद से ज्यादा खुशहाल शख्स से तुलना करोगे तो दुख होगा और अपने से नीचे शख्स से तुलना करोगे तो अहंकार आएगा। इस प्रकार जिंदगी भर किसी-न-किसी से तुलना करके सुखी-दुखी होते रहते हैं। हमारी कोशिश होनी चाहिए कि हम मन को बार-बार ऊंचे से ऊंचा विचार देते रहें और खुद को किसी काम में व्यस्त रखें क्योंकि खाली मन दुख ही लेकर आता है।

महिलाएं करती हैं फ्लर्ट की शुरुआत!

शोध

रिलेशनशिप और फ्लर्टिंग को लेकर हमेशा लड़कों को बादशाह माना जाता है। किसी पार्टी, फंक्शन या फिर शादी में किसी भी लड़की से पहली बात अक्सर लड़के ही करते हैं। किसी से भी पूछने पर वह यही बताएगा कि लड़के ही पहला मूव करते हैं। इसके बाद लड़की अपनी रजामंदी दिखाती है, या फिर रिजेक्शन देती है, लेकिन अब इसे लेकर एक चौंकाने वाली बात सामने आई है।

एक बायॉलजिस्ट ने अपनी रिसर्च में खुलासा किया है कि लड़कियां लड़कों से भी ज्यादा फ्लर्टिंग करती हैं। हेलन फिशर नाम के इस साइंटिस्ट ने अपनी नई बुक एनाटॉमी ऑफ लव में यह खुलासा किया है। सोचिए आप किसी बार में हैं और आपके सामने एक लड़की अपनी दोस्तों के साथ एन्जॉय कर रही है, लेकिन अचानक वह खूबसूरत सी लड़की एक लड़के के पास जाती है जो दरवाजे पर खड़ा है। यह सब देखकर आपको लगता है कि कुछ शुरू होने वाला है। यह आमतौर पर होता है, लेकिन आप फिर भी यही सोचते रह जाते हैं कि पहली शुरुआत किसने की होगी।

इसका जवाब है लड़की, क्योंकि पहले लड़की अपने एक्सप्रेशन से ही बताती है कि वह इंट्रेस्टेड है या फिर नहीं। यह उसकी स्माइल और आंखों से पता लगाया जाता है। इस पूरे रहस्य को जानने के लिए वॉशिंगटन के एक एंथ्रोपॉलोजिस्ट डेविड गिवन्स और सेक्सॉलजिस्ट टिमोथी पर्पर ने कई बार और क्लबों में सैकड़ों घंटे बैठकर कपल्स को उनकी पहली मुलाकात में देखा।

इस पूरी रिसर्च में जो रिजल्ट निकला वह काफी चौंकाने वाला था, इसमें आधे से ज्यादा केसों में महिलाओं ने पहल की थी, लेकिन हेलन फिशर ने 25 हजार सिंगल लड़के-लड़कियों पर 2010 में स्टडी की थी। जिसमें पता चला था कि हर उम्र और रंग की महिलाएं ही ऐसे मामलों में ज्यादातर पहल करती हैं। इसके बाद 2012 में लगभग 5 हजार पुरुषों ने माना था कि उन्हें किसी महिला ने कहीं बाहर जाने का इनविटेशन दिया और इनमें से 95 प्रतिशत आदमी इस बात से खुश थे। उन्होंने बताया कि महिलाएं और पुरुष दोनों ही इसमें एक अहम रोल अदा करते हैं, लेकिन अगर किसी ने एक हिंट मिस कर दिया तो पूरा खेल खत्म भी हो सकता है।

बनाएं आलिया के फेवरेट फ्रेंच फ्राइस

रेसिपी

अगर आप 4 लोगों के लिए फ्रेंच फ्राइसबना रहे हैं तो इस प्रकार सामग्री लीजिए -

जरूरी सामग्री

- **आलू** - 500 ग्राम
- **तेल** - तलने के लिये
- **नमक** - आधी छोटी चम्मच
- **चाट मसाला**- आवश्यकतानुसार ऊपर से छिड़कने के लिये

बनाने की विधि

सबसे पहले आलू को पीलर की सहायता से छील लीजिये और धोकर पानी में डाल दीजिये। छिले हुए आलू को अब फ्रेंच फ्राइ कटर की मदद से आयताकार लम्बे टुकड़ों में बराबर आकार में काट लीजिये। इसे काटने के तुरंत बाद ही पानी में भी डालते जाइए ताकि इसका रंग काला ना पड़ जाए और इसका स्टार्च निकलकर पानी में चला जाए। इसे पांच मिनट तक पानी में ही रहने दीजिए।

अब एक बर्तन में पानी उबलने के लिए रख दें। जब पानी उबल जाए तो उसमें फ्रेंच फ्राइ के टुकड़ों को डालकर फिर से पांच मिनट तक उबलने दें। इसमें नमक भी याद से डाल दीजि। अब आंच से उतारकर रख दें। अब साफ कपड़े से इस आलू से पानी को पोंछकर दस मिनट के लिए फ्रीजर में रख दीजिए।

कड़ाही में तेल डालकर गर्म कर लीजिए। गर्म होने पर इसमें आलू डालें और हल्के तल कर निकाल लीजिए। अब इसे दो मिनट तक ठंडा होने दीजिए और फिर से इसे गर्म तेल में डाल कर सुनहरा होने तक दोबारा तल लीजिए।

नमकीन क्रिस्पी फ्रेंच फ्राइ तैयार है। इसके उपर आप चाट मसाला डालकर और भी चटपटा बना सकते हैं। गर्मागर्म फ्रेंच फ्राइस को टॉमेटो सॉस और चाय के साथ सर्व करें।

संपादकीय

हरित दिल्ली' का ब्लूप्रिंट

इस बार दिल्ली के बजट में विकास की संतुलित तस्वीर नजर आती है। इसमें भले ही राष्ट्रीय राजधानी के बाशिंदों को तात्कालिक लाभ वाली घोषणाओं की कमी महसूस हो, लेकिन भविष्य की उम्मीदों को लेकर प्रतिबद्धता साफ दिखती है, जिसमें प्रदूषण जैसे गंभीर मसले की चिंता भी शामिल है। ऐसा इसलिए, क्योंकि कुल बजट का इक्कीस फीसद हिस्सा पर्यावरण संरक्षण पहल के लिए रखा गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को दिल्ली विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 1,03,700 करोड़ रुपए का बजट पेश करते हुए कहा कि यह हरित बजट है।इसमें दोराय नहीं कि सरकार की नीतियों में जनसरोकार की भावना दिखनी चाहिए। इस दृष्टि से देखें, तो सरकार ने इसका विशेष ध्यान रखा है और शिक्षा क्षेत्र के साथ जनस्वास्थ्य सेवाओं को भी प्राथमिकता दी है। शिक्षा पर कुल बजट का अठारह फीसद खर्च करने का निर्णय निस्संदेह सराहनीय कदम है। वहीं स्वास्थ्य सेवाओं के लिए तेरह हजार करोड़ से अधिक राशि आबंटित किए जाने से उम्मीद की जा सकती है कि सरकारी अस्पतालों की दशा और दिशा बदलेगी।बजट में नागरिकों को बेहतर और आधुनिक सुविधाएं देने का संतुलित प्रयास किया गया है। युवा पीढ़ी भविष्य में दिल्ली की जो नई तस्वीर देखना चाहती है, सरकार उसी दिशा में कदम बढ़ाती दिख रही है। आने वाले वर्षों में यहां सार्वजनिक परिवहन का नया रूप सामने होगा, क्योंकि मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि वर्ष 2029 तक पूरे परिवहन बेड़े को इलेक्ट्रिक बसों में बदला जाएगा। इसी के साथ दिल्ली की सड़कों की दशा सुधारने की इच्छाशक्ति भी सरकार ने दिखाई है।शहरी विकास के साथ धूलमुक्त सड़कें बनाने के लिए अलग से राशि का आबंटन किया गया है। नई सेमीकंडक्टर नीति की घोषणा से उम्मीद जगी है कि राजधानी में नवउद्यम समेत बुनियादी औद्योगिक ढांचे का सतत विकास होगा। इसके अलावा अटल कैंटीन से जुड़े विश्राम स्थल बनाने की घोषणा से अस्थायी कर्मचारियों को रोजमर्रा की कठिनाइयों से राहत मिलने की उम्मीद जगी है। कुल मिलाकर यह बजट विकासोन्मुख माना जा रहा है, लेकिन यह तभी संभव होगा, जब बजट घोषणाओं पर पूरी तरह अमल किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि कोई व्यक्ति हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म से बाहर जाकर धर्म परिवर्तन करता है, तो उसे अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता। दरअसल, आंध्र प्रदेश के एक धर्मांतरित ईसाई पादरी से जुड़े मामले में आए इस नवीनतम फैसले के व्यापक राजनीतिक और सामाजिक मायने हैं। इससे हिन्दू समुदाय के दलितों और पिछड़ों को निशाना बनाकर धर्मांतरित करवाये जाने का पूरा खेल ही अब हतोत्साहित हो जाएगा। हालांकि, कांग्रेस व समाजवादी मूल की क्षेत्रीय पार्टियां यदि चाहें तो इस मुद्दे पर अपनी राजनीति भी शुरू कर सकती है कि जब हिन्दू, बौद्ध या सिख बनेंगे तो उनका एससी/ओबीसी स्टेटस बरकरार रहेगा, लेकिन जैन, ईसाई, मुसलमान, पारसी आदि बनने पर नहीं, यह कौन सा खिचड़ी न्यायिक दर्शन हैं, जो हर गतिरोध के बाद एक नया गतिरोध पैदा कर देता है। कहने का तातपर्य यह कि ज्यूडिशियल एंटीबायोटिक पॉवर बढ़ाये बिना सम्बन्धित व्यक्ति या समूह का कल्याण नहीं होने वाला है।

धर्म और जाति को लेकर आए 'सुप्रीम आदेश' के राजनीतिक-सामाजिक मायने

(कमलेश पांडे)

कांग्रेस व समाजवादी मूल की क्षेत्रीय पार्टियां यदि चाहें तो इस मुद्दे पर अपनी राजनीति भी शुरू कर सकती है कि जब हिन्दू, बौद्ध या सिख बनेंगे तो उनका एससी/ओबीसी स्टेटस बरकरार रहेगा, लेकिन जैन, ईसाई, मुसलमान, पारसी आदि बनने पर नहीं, यह कौन सा खिचड़ी न्यायिक दर्शन हैं, जो हर गतिरोध के बाद एक नया गतिरोध पैदा कर देता है।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक अहम फैसले में यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि कोई व्यक्ति हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म से बाहर जाकर धर्म परिवर्तन करता है, तो उसे अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं माना जा सकता। दरअसल, आंध्र प्रदेश के एक धर्मांतरित ईसाई पादरी से जुड़े मामले में आए इस नवीनतम फैसले के व्यापक राजनीतिक और सामाजिक मायने हैं। इससे हिन्दू समुदाय के दलितों और पिछड़ों को निशाना बनाकर धर्मांतरित करवाये जाने का पूरा खेल ही अब हतोत्साहित हो जाएगा।

हालांकि, कांग्रेस व समाजवादी मूल की क्षेत्रीय पार्टियां यदि चाहें तो इस मुद्दे पर अपनी राजनीति भी शुरू कर सकती है कि जब हिन्दू, बौद्ध या सिख बनेंगे तो उनका एससी/ओबीसी स्टेटस बरकरार रहेगा, लेकिन जैन, ईसाई, मुसलमान, पारसी आदि बनने पर नहीं, यह कौन सा खिचड़ी न्यायिक दर्शन हैं, जो हर गतिरोध के बाद एक नया गतिरोध पैदा कर देता है। कहने का तातपर्य यह कि ज्यूडिशियल एंटीबायोटिक पॉवर बढ़ाये बिना सम्बन्धित व्यक्ति या समूह का कल्याण नहीं होने वाला है।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने गत 23-24 मार्च 2026 को एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया, जिसमें कहा गया कि हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म के अलावा किसी अन्य धर्म (जैसे ईसाई, इस्लाम आदि) में परिवर्तन करने पर अनुसूचित जाति (एससी) का दर्जा तुरंत समाप्त हो जाता है। इस आदेश से एससी/एसटी आरक्षण लाभ और अत्याचार निवारण अधिनियम का संरक्षण खत्म हो जाता है। दरअसल, यह फैसला आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के मई 2025 के आदेश पर आधारित है, जहां एक ईसाई पादरी को एससी/एसटी एक्ट के तहत संरक्षण से वंचित किया गया। क्योंकि कोर्ट ने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुसूचित जाति आदेश 1950 के अनुसार केवल निर्दिष्ट धर्मों के अनुयायी ही एससी लाभ ले सकते हैं। ईसाई या इस्लाम अपनाने पर जातिगत पहचान और लाभ दोनों समाप्त हो जाते हैं।

इस फैसले के अहम राजनीतिक मायने हैं। यह फैसला धर्मांतरण पर आधारित आरक्षण दावों को रोक सकता है, जो दक्षिणपंथी दलों के लिए समर्थन बढ़ाएगा। वहीं, अल्पसंख्यक आरक्षण बहस (जैसे दलित ईसाई/मुस्लिम) को प्रभावित कर चुनावी राजनीति में हिंदू एकता पर जोर देगा। राज्य सरकारें ओबीसी/एससी सूचियों की समीक्षा के दबाव में आ सकती हैं। वहीं, इस फैसले के बाद धर्म परिवर्तन और आरक्षण से जुड़ी बहस जोर पकड़ सकती है। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के आलोक में फैसला दिया है, लेकिन कुछ मसले ऐसे होते है जहां कानून और जमीनी हकीकत आमने-सामने आ जाते हैं। भारत में जाति एक सच्चाई है, जिसे नहीं बदला जा सकता, लेकिन इससे जुड़ी बुराइयों को खत्म करने की तमाम कोशिश होनी चाहिए। जो राजनीतिक और न्यायिक अदूरदर्शिता वश नहीं हो पा रही है और तरह तरह के संवैधानिक विवाद जन्म ले रहे हैं, जिससे राष्ट्रीय हितों को लगातार धक्का लग रहा है।

जहां तक इस फैसले के सामाजिक प्रभाव की बात है तो धर्म परिवर्तन के बाद एससी/ओबीसी का लाभ न मिलने से सामाजिक न्याय की नीति मजबूत होगी, लेकिन धार्मिक रूपांतरण रोकने या जातिगत अस्मिता पर बहस तेज हो सकती है। चूंकि दलित समुदायों में हिंदू/सिख/बौद्ध रहने का दबाव बढ़ेगा, जबकि ईसाई/मुस्लिम समुदायों में असंतोष उत्पन्न हो सकता है। फिर भी कुल मिलाकर देखा जाए तो यह आरक्षण को ऐतिहासिक अन्याय सुधार तक सीमित रखने की दिशा में उठाया गया निर्णायक कदम है। इस पर मौजूदा मोदी सरकार के वैचारिक असर से भी इनकार नहीं किया जा सकता है, क्योंकि यह सरकार दलित/ओबीसी हिंदुओं की एकजुटता व समग्र उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है।

हालांकि देश में जाति से जुड़ा सवाल बहुत टेढ़ा और जटिल है। क्योंकि सामाजिक स्तर पर हमेशा से यह बहस का विषय रहा है कि क्या धर्म बदलने भर से जातिगत भेदभाव खत्म हो जाता है? गाहे बगाहे ऐसे मामले सामने आते रहे है, जिनमें दलित या ओबीसी समुदाय के लोगों को दूसरा धर्म अपनाने के बाद भी भेदभाव का सामना करना पड़ता है। पिछले साल मार्च में ही तमिलनाडु के कुछ ईसाई परिवारों, जो पहले दलित थे, ने आरोप लगाया था कि उनके साथ समान व्यवहार नहीं होता। यहां तक कि कब्रिस्तान में उनके लोगों के शवों को दफनाने के लिए भी अलग जगह है।

उल्लेखनीय है कि शीर्ष अदालत के फैसले का आधार संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 है। जिसका क्लॉज 3 कहता है कि हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म को मानने वाले ही एससी श्रेणी में आ सकते है। धर्म परिवर्तन और जाति से जुड़ी यह बहस बहुत पुरानी है। इसके दो पहलू है। एक, जिन धर्मों में जाति व्यवस्था नही है, उन्हें अपनाकर फिर जाति से जुड़े लाभ कैसे लिए जा सकते है। पिछले साल दिसंबर में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी सरकार को यह सुनिश्चित करने का आदेश दिया था कि जिन्होंने ईसाई धर्म अपना लिया है, उन्होंने अनुसूचित जाति से जुड़े लाभ छोड़ दिए हों।

तब हाईकोर्ट ने कहा था कि धर्म परिवर्तन के बाद भी अनुसूचित जाति समुदाय को मिलने वाले फायदे लेते रहना संविधान के साथ धोखा है। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के पास इस तरह की कई शिकायतें है और उसने पिछले साल देशभर में जांच भी शुरू की थी। कुल मिलाकर उद्देश्य यह है कि संविधान के तहत मिले अधिकार का दुरुपयोग न होने पाए। क्योंकि जाति और धर्म का दुरुपयोग होने की चिंता शुरू से ही न्यायिक विमर्श का मुद्दा बनी हुई है। लिहाजा ब्रेक के बाद न्यायदेश मिलते रहते हैं।

इंद्रा साहनी केस (1992) से इस फैसले का सम्बन्ध

इंद्रा साहनी केस (1992) मुख्य रूप से ओबीसी आरक्षण पर केंद्रित था, लेकिन हालिया सुप्रीम कोर्ट फैसले (धर्म परिवर्तन पर स्ष्ट दर्जा समाप्ति) से इसका अप्रत्यक्ष संबंध है। दोनों आरक्षण को जाति-आधारित ऐतिहासिक अन्याय सुधार तक सीमित रखने के सिद्धांत साझा करते हैं। इंद्रा साहनी का सार-इस केस में सुप्रीम कोर्ट ने ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण मान्य किया, लेकिन 50 प्रतिशत कुल सीमा तय की और स्पष्ट किया कि आरक्षण का आधार धर्म या जाति अकेला नहीं हो सकता। क्रीमी लेयर बहिष्कार और पिछड़ापन के सामाजिक-शैक्षिक मापदंड निर्धारित किए गए।

हालिया फैसले से संबंध- 2026 के एससी/एसटी फैसले में संविधान के अनुसूचित जाति आदेश 1950 का हवाला दिया गया, जो इंद्रा साहनी के सिद्धांतों से मेल खाता है कि आरक्षण धर्म पर आधारित नहीं। ओबीसी मामलों में (जैसे मुस्लिम आरक्षण रद्द), कोर्ट ने इंद्रा साहनी का जिक्र कर धर्म को आधार बनाने से रोका, जो एससी केस की भावना से जुड़ता है। हालांकि, सीधा उल्लेख नहीं मिला, लेकिन सामान्य आरक्षण दर्शन समान है, जिसका सर्वकालिक महत्व जगजाहिर है। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

महेंद्र सिंह धोनी महान पर, सीएसके को उनके बिना आगे बढ़ना होगा

(संजय सेवरन)

महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में चेन्नई सुपर किंग्स ने 5 बार आईपीएल चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया, लेकिन धोनी अब 44 साल के हो चुके हैं। पिछले 16 साल से वो इस टीम का हिस्सा हैं, लेकिन अब वो बल्ले से टीम को ज्यादा सहयोग नहीं दे पाते। विकेटकीपर के लिए भी टीम में विकल्प मौजूद है और अब उनकी उपयोगिता टीम में ज्यादा दिखती नहीं है। हां, टीम उनके अनुभव का फायदा उठा सकती है और उन्हें अन्य जिम्मेदारियां दी जा सकती है।

महेंद्र सिंह धोनी एक महान कप्तान और खिलाड़ी हैं इसमें कोई दो राय नहीं है। उन्होंने भारतीय क्रिकेट व इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए जो कुछ भी किया है वो किसी से छुपा नहीं है। धोनी ने आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स को वो दर्जा दिलाया जिसे हासिल करना आसान नहीं होता और ये सब उन्होंने इस खेल के प्रति अपने समझ के दम पर हासिल किया।

धोनी ने 5 बार टीम को बनाया चैंपियन- धोनी की कप्तानी में सीएसके आईपीएल में 5 बार चैंपियन बनी और इस वक्त ये टीम इस लीग की सबसे सफल टीमों में से एक है। उन्होंने सीएसके को पहली बार साल 2010 में चैंपियन बनाया और इसके बाद ये सिलसिला जारी रहा और इस टीम ने 2011, 2018, 2021 और 2023 में फिर से चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। यही नहीं ये टीम 2008, 2012, 2013,2015 और 2019 में उप-विजेता भी रही थी। ये टीम कुल 10 बार फाइनल में पहुंच चुकी है और ये कमाल धोनी का था।

2008 से धोनी हैं सीएसके के साथ- धोनी इस टीम के साथ 2008 में जुड़े थे और तब से लेकर अब तक वो इसका अहम हिस्सा हैं। बीच में दो साल के लिए जब सीएसके को बैन किया गया था तब वो दूसरी टीम की तरफ से खेले थे। पिछले 16 साल में धोनी ने इस टीम के साथ हर उतार-चढ़ाव को झेला, सफलता की पीक तक गए तो वहीं जब टीम पहली बार आईपीएल 2025 में दसवें नंबर पर रही तब भी टीम का हिस्सा थे। यानी उन्होंने टीम के हर पहलू को बेहद करीब से देखा है और बतौर कप्तान व खिलाड़ी उसे महसूस भी किया है।

44 साल की उम्र में खेलना एक चुनौती- एमएस धोनी एक ऐसा नाम जिसके टीम में रहने से ही सीएसके की प्रतिष्ठा बढ़ जाती है और इसे सभी जानते हैं, लेकिन अब वो 44 साल के हो चुके हैं। धोनी उम्र के उस पड़ाव पर हैं जहां क्रिकेट खेलना आसान नहीं होता, लेकिन हां इसमें कोई शक नहीं है कि उनका क्रिकेट ज्ञान कमाल का है। धोनी अब सीएसके के लिए काफी कम बैटिंग करते हैं। पिछले कुछ सीजन से वो 8वें या फिर 9वें नंबर पर आते हैं और सिर्फ 10-12 गेंद ही खेल पाते हैं। किसी-किसी मैच में तो उन्हें इतना भी खेलने का मौका नहीं मिला।

धोनी नहीं रहे पहले जैसे मैच विनर- धोनी जिस तरह से पहले सीएसके के लिए बेस्ट फिनिशर थे, मैच विनर थे उनमें अब वो बात नहीं दिखती।

महेंद्र सिंह धोनी एक महान कप्तान और खिलाड़ी हैं इसमें कोई दो राय नहीं है। उन्होंने भारतीय क्रिकेट व इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए जो कुछ भी किया है वो किसी से छुपा नहीं है।

धोनी रेगुलर क्रिकेट खेलते भी नहीं हैं सिर्फ आईपीएल ही खेलते हैं जिसका असर उनके खेल पर भी साफ तौर पर दिखता है तो एक बैटर के रूप में तो वो टीम के लिए उपयोगी नजर नहीं आते। बात रही विकेटकीपिंग की तो उसमें वो कमाल के हैं। पिछले सीजन में भी उनकी विकेटकीपिंग शानदार रही थी, लेकिन उनके घुटने की इंजरी उन्हें परेशान करती है और ये साफ तौर पर दिखता भी है।

धोनी का विकल्प टीम में मौजूद- सीएसके में अब संजू सैमसन जैसे खिलाड़ी हैं जो शानदार विकेटकीपिंग कर सकते हैं यानी धोनी का विकल्प भी टीम के पास है। 44 साल के धोनी टीम में सिर्फ अपनी पूर्व उपलब्धि के दम पर टिके हुए हैं, लेकिन कब तक। एक वक्त ऐसा आता है जब आपको कहना पड़ता है कि बस और अब वो वक्त शायद आ गया है। सीएसके के पास विकल्प की कमी नहीं है और चुकी धोनी ने टीम के लिए इतना कुछ किया है तो वो मैदान के बाहर से भी टीम को सहयोग कर सकते हैं। सीएसके उन्हें अन्य जिम्मेदारी दे सकता है जिससे कि वो टीम के साथ भी बने रह सकते हैं और उनके अनुभव का फायदा टीम को मिलता भी रह सकता है।

दाऊद इब्राहिम की बॉलीवुड इमेज को आदित्य धर ने किया ध्वस्त, 'धुरंधर 2' में दिखा बेबस

वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई- इस फिल्म में इमरान हाशमी ने 'शोएब खान' का किरदार निभाया, जिसे दाऊद से प्रेरित माना गया। यहां वह एक स्टाइलिश डॉन के रूप में नजर आए। फिल्म में इस गैंगस्टर को चालाक और निर्दयी दिखाया गया, जो मुंबई पर राज करता है। इमरान हाशमी ने इस भूमिका में दाऊद की शुरुआती आपराधिक कारनामों को दर्शाया है। ऋषि कपूर ने 'इकबाल सेठ' का किरदार निभाया, जो साफ तौर पर दाऊद इब्राहिम से प्रेरित था। फिल्म में उनका किरदार बेहद शातिर, क्रूर और कराची में छिपकर रहने वाले एक कुख्यात अपराधी के रूप में दिखाया गया है, जो भारत के खिलाफ साजिशें रचता है। ऋषि कपूर के अभिनय की इस निगेटिव भूमिका के लिए काफी प्रशंसा की गई थी।

(गुंजन शर्मा)

बॉलीवुड में अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम की छवि लंबे समय तक एक स्टाइलिश, ताकतवर और खौफनाक माफिया के तौर पर पेश की जाती रही है। महंगे सूट, रौबदार अंदाज और सत्ता पर पकड़, यह सब फिल्मों में दाऊद जैसे किरदारों की पहचान बन रहा है। अब आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म 'धुरंधर- द रिवेंज' में भी दाऊद इब्राहिम के किरदार को दिखाया गया है, लेकिन इस बार उनकी छवि पूरी तरह अलग दिखाई गई है।

जिन लोगों ने फिल्म देख ली है उन्होंने इस बात पर गौर किया होगा। चश्मा लगाकर जो गैंगस्टर हमेशा रौब में नजर आता था वो इस बार अस्पताल के पलंग पर पड़ा हुआ है, जो चाहता तो बहुत कुछ है लेकिन कर कुछ नहीं सकता। उसे एक ऐसे व्यक्ति के रूप में दिखाया गया है जो हालात से घिरा हुआ, कमजोर और बेबस नजर आता है। यही बदलाव फिल्म को चर्चा में ले आया है।

बॉलीवुड में हमेशा स्टाइलिश और खतरनाक रही दाऊद की इमेज- अब तक कई फिल्मों में दाऊद इब्राहिम या उनसे प्रेरित किरदारों को बड़े ही ग्लैमरस और ताकतवर अंदाज में दिखाया गया है।

वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई- इस फिल्म में इमरान हाशमी ने 'शोएब खान' का किरदार निभाया, जिसे दाऊद से प्रेरित माना गया। यहां वह एक स्टाइलिश डॉन के रूप में नजर आए। फिल्म में इस गैंगस्टर को चालाक और निर्दयी दिखाया गया, जो मुंबई पर राज करता है। इमरान हाशमी ने इस भूमिका में दाऊद की शुरुआती आपराधिक कारनामों को दर्शाया है।

डी-डे- ऋषि कपूर ने 'इकबाल सेठ' का किरदार निभाया, जो साफ तौर पर दाऊद इब्राहिम से प्रेरित था। फिल्म में उनका किरदार बेहद शातिर, क्रूर और कराची में छिपकर रहने वाले एक कुख्यात अपराधी के रूप में दिखाया गया है, जो भारत के खिलाफ साजिशें रचता है। ऋषि कपूर के अभिनय की इस निगेटिव भूमिका के लिए काफी प्रशंसा की गई थी।

शूटआउट एट वडाला- इस फिल्म में सोनू सूद ने

'दिलावर इमरान' का रोल किया, जिसे दाऊद की शुरुआती जिंदगी से जोड़ा जाता है। यहां भी उनका अंदाज दबदबे वाला दिखाया गया। यह किरदार एक चतुर और उदयमान अंडरवर्ल्ड डॉन के रूप में दिखाया गया है जो मन्या सुर्वे (जॉन अब्राहम) के साथ सीधे टकराव के बजाय पर्दे के पीछे से अपनी ताकत बढ़ाता है।

कंपनी- 2002 में आई इस फिल्म में अजय देवगन ने 'मलिक' का किरदार निभाया, जो दाऊद से प्रेरित था। किरदर अंडरवर्ल्ड डॉन के शातिर दिमाग, कूटनीति और मुंबई में डी-कंपनी चलाता है। यह किरदार शांत, रणनीतिक और बेहद ताकतवर डॉन के रूप में निखरकर सामने आया।

ब्लैक फ्राइडे- अनुराग कश्यप की फिल्म 'ब्लैक फ्राइडे' में दाऊद इब्राहिम का किरदार अभिनेता विजय मौर्य ने निभाया था। इस फिल्म में दाऊद के किरदार को बहुत ही रियल और रहस्यमयी तरीके से दिखाया गया है, जो मुख्य रूप से 1993 के मुंबई बम धमाकों के मास्टरमाइंड टाइगर मेमन के साथ उसके संबंधों और साजिश के इर्द-गिर्द घूमता है।

मगर 'धुरंधर 2' में बदली तस्वीर- इन सभी फिल्मों में जहां दाऊद जैसे किरदारों को एक पावरफुल पेश किया गया, वहीं 'धुरंधर 2' इस छवि को उलट दिया। फिल्म में डॉन का किरदार परिस्थितियों से जूझता हुआ, कमजोर और कई बार लाचार नजर आता है। यह बदलाव सिर्फ सिनेमाई प्रयोग नहीं है, बल्कि उस नैरेटिव को चुनौती देने की कोशिश भी है, जिसमें अपराधियों को ग्लैमराइज किया जाता रहा है। हालांकि, इसी बदलाव को लेकर फिल्म पर प्रोपेगेंडा होने के आरोप भी लग रहे हैं।

पावरफुल डॉन रहा है दाऊद इब्राहिम- दाऊद इब्राहिम अंडरवर्ल्ड सरगना है, जिसका नाम भारत के सबसे बड़े आपराधिक मामलों और आतंकी घटनाओं से जोड़ा जाता रहा है। खासकर 1993 मुंबई बम धमाके में, जिसने देश को झकझोर कर रख दिया था।

1993 मुंबई बम धमाके- 12 मार्च 1993 को मुंबई में हुए 12 सीरियल बम धमाकों का मुख्य साजिशकर्ता अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम और उसका साथी टाइगर मेमन था। इन धमाकों को बाबरी मस्जिद विध्वंस के बदले के रूप में अंजाम दिया गया था, जिसमें 257 लोग मारे गए और 700 से ज्यादा घायल हुए थे। ये धमाका भारत के इतिहास के सबसे भयावह आतंकी हमलों में गिने जाता है। जांच में सामने आया कि इस साजिश में दाऊद इब्राहिम और उसके नेटवर्क की बड़ी भूमिका थी, जबकि टाइगर मेमन को इसका मुख्य साजिशकर्ता माना गया।

बॉलीवुड पर अंडरवर्ल्ड का दबदबा- 1990 के दशक में दाऊद इब्राहिम का बॉलीवुड पर भी काफी प्रभाव माना जाता था। फिल्म प्रोड्यूसर्स और एक्टर्स को उसकी तरफ से धमकी भरे फोन कॉल आते थे। वो कई लोगों से जबरन पैसों की वसूली किया करता था। बताया जाता है कि फिल्मों में फाइनेंसिंग के जरिए अंडरवर्ल्ड का पैसा भी लगाया जाता था, इतना ही नहीं कथित तौर पर कुछ मामलों में कलाकारों को कास्टिंग के लिए दबाव भी डाला जाता था।

तस्करी और डी-कंपनी का नेटवर्क- दाऊद इब्राहिम का आपराधिक नेटवर्क, जिसे डी-कंपनी कहा जाता है। वो कई गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल रहा है। जैसे-

1- सोने और इलेक्ट्रॉनिक्स की तस्करी।

दाऊद 1980-90 के दशक में भारत में सोने की तस्करी का बड़ा नेटवर्क चलाया करता था। जिसमें दुबई और अन्य देशों से सामान भारत लाया जाता था।

2- ड्रग्स और हथियारों की सप्लाई

दाऊद किसी भी तरह के अपराध में पीछे नहीं रहा। उस पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ड्रग्स तस्करी के आरोप भी हैं। इसके साथ ही उसका नाम अवैध हथियारों की आपूर्ति में भी जुड़ा है।

3- हवाला और मनी लॉन्ड्रिंग

वो अवैध पैसों को सफेद करने के लिए हवाला नेटवर्क का इस्तेमाल किया करता था। उसका ये नेटवर्क कथित तौर पर कई देशों में फैला था।

4- सुपारी किलिंग और गैंगवार

उसने कई लोगों की हत्या भी करवाई है। उस पर कई कारोबारियों की हत्या के लिए सुपारी देने के आरोप भी हैं। उस पर ये भी आरोप है कि उसने मुंबई में गैंगवार के दौर को बढ़ावा दिया। (यह लेखक के अपने विचार हैं)

संक्षिप्त समाचार

महतारी वंदन योजना बनी सहारा श्रीमती मानकुंवर की प्रेरक सफलता कहानी

बलरामपुर। विकासखंड वाड्रफनगर के ग्राम रघुनाथनगर की निवासी श्रीमती मानकुंवर के जीवन में महतारी वंदन योजना ने एक सकारात्मक बदलाव लाया है। इस योजना के अंतर्गत उन्हें प्रतिमाह 1000 रुपये की आर्थिक सहायता प्राप्त होती है, जो उनके लिए एक मजबूत सहारा बन गई है। पहले जहां घर की छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करना भी चुनौतीपूर्ण होता था, वहीं अब इस नियमित सहायता राशि से श्रीमती मानकुंवर अपने परिवार की आवश्यकताओं को सहजता से पूरा कर पा रही हैं। राशन, बच्चों की जरूरतें और दैनिक खर्च जैसे कार्यों में यह राशि उनके लिए काफी मददगार साबित हो रही है। केवल घरेलू खर्च ही नहीं, बल्कि खेती के समय भी यह राशि उनके लिए उपयोगी सिद्ध होती है। बीज, खाद और अन्य कृषि कार्यों में वह इस पैसे का उपयोग कर अपने खेतों की देखभाल बेहतर तरीके से कर रही हैं। इससे उनकी खेती में भी सुधार आया है और उत्पादन में वृद्धि की उम्मीद बढ़ी है। श्रीमती मानकुंवर बताती हैं कि यह योजना उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने में भी सहायक रही है। अब वे आर्थिक रूप से पहले की तुलना में अधिक सशक्त महसूस करती हैं और परिवार की जिम्मेदारियों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं।

कोनी स्थित शासकीय कुक्कुड़ प्रक्षेत्र में बर्ड फ्लू संक्रमण प्रसार बचाव कार्यक्रम, एस.बी.कंवर डीप्टी रेंजर ने आम जन से अपेक्षा हैं की वे आवश्यक सहयोग प्रदान करने की अपील

बिलासपुर। जिला बिलासपुर कोनी स्थित शासकीय कुक्कुड़ प्रक्षेत्र में बर्ड फ्लू (एवियन एनफ्लूयजा) की पुष्टि के मद्देनजर संक्रमण प्रसार बचाव एवं जैव सुरक्षा उपायों के तहत कानन पेंडारी जूलाजिकल गार्डन, बिलासपुर (छ.ग.) को आज दिनांक 25/03/2026 से आगामी 07 दिवस हेतु पर्यटकों के लिए अवस्थी रूप से बंद किया जाता हैं द्य इस अवधि में केन्द्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण के मानक संचालन प्रक्रिया अनुसार जू परिसर में आवश्यक कीटाणु रोधी दवाओं का नियमित रूप से छिड़काव कर संक्रमण से बचाव हेतु उपाय सुनिश्चित किया जा रहा हैं द्य सभी पक्षियों पर निगरानी करना, बाहरी व्यक्ति का जू के अन्दर प्रवेश पर नियंत्रण रखना तथा जैव सुरक्षा उपायों का कड़ाई से पालन करना, जन स्वास्थ्य एवं वन्यजीवों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए यह निर्णय लिया गया हैं द्य आम जन से अपेक्षा हैं की वे आवश्यक सहयोग प्रदान करने की अपील की।

अयोध्या की धरा पर छलक उठी आस्था,रामलला के हुए दिव्य दर्शन,भक्तों ने कहा सफल हुआ जीवन, रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएं जय श्री राम।

■ बिलासपुर से अयोध्या पहुंचा श्रद्धालुओं का विशाल जत्था, त्रिवेणी संगम स्नान से लेकर रामलला दर्शन तक भाव-विभोर हुए भक्त

बिलासपुर। चैत्र नवरात्र रामनवमी के पावन अवसर में बिलासपुर से निकले 1008 रामभक्तों का दिव्य जत्था आज अयोध्या पहुंचा, जहां रामलला के प्रथम दर्शनों ने श्रद्धालुओं का मन भाव-विभोर कर दिया। भगवा वेशधारी भक्तों ने संगम स्नान, पदयात्रा और भजन-कीर्तन के बीच ऐसी आध्यात्मिक अनुभूति पाई, जिसने उनके जीवन को नई दिशा देने का काम किया। भक्तों ने कहा कि अयोध्या पहुंचकर लगा मानो जीवन सफल हो गया। बिलासपुर के पुलिस ग्राउंड से 25 मार्च की सुबह 1008 रामभक्तों का विशाल जत्था विधिवत मंत्रोच्चार और जयघोषों के बीच रवाना हुआ। यात्रा संयोजक प्रवीण झा और उनकी टीम ने पूरे मार्ग में भक्तों की सुरक्षा, भोजन, आवास और चिकित्सा व्यवस्था का बारीकी से ध्यान रखा। बसों में हनुमानजी की प्रतिमा स्थापित कर भक्तों ने गर्जनापूर्ण 'जय श्रीराम' के उद्घोष के साथ यात्रा प्रारंभ की। 26 मार्च को आज अयोध्या पहुंचते ही स्थानीय स्वयंसेवकों ने पुष्पवर्षा कर भक्तों का स्वागत किया। होटल में विश्राम के बाद सभी श्रद्धालु भजन-कीर्तन करते हुए पदयात्रा के रूप में श्रीराम जन्मभूमि परिसर पहुंचे। रामलला के दर्शन करते ही श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं। बिलासपुर के केसी मिश्रा ने कहा दर्शन के उस पल ने आत्मा को शांति दी, लगा मानो प्रभु ने अपने चरणों में बुला लिया। वहीं युवा श्रद्धालु अमित साहू ने बताया यह यात्रा मेरे जीवन में परिवर्तन का क्षण बन गई है। मैं अयोध्या से लौटकर नशामुक्त और अनुशासित जीवन जीने का संकल्प लेकर जा रहा हूं। यात्रा के दौरान प्रयागराज संगम स्नान भी शामिल रहा, जहां गंगा, यमुना और सरस्वती के मिलन ने भक्तों को आंतरिक शुद्धि का एहसास कराया। पूरे कार्यक्रम में स्वयंसेवकों की सक्रिय भूमिका ने यात्रा को अनुशासित और सफल बनाया। प्रयागराज पहुंचते ही सभी 1008 श्रद्धालुओं ने त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई। भक्तों ने बताया कि गंगा, यमुना और सरस्वती के इस पवित्र मिलन स्थल पर स्नान करते ही मन जैसे पवित्र हो गया। कई श्रद्धालुओं ने कहा कि संगम का जलाभिषेक केवल शरीर का नहीं, बल्कि आत्मा का शुद्धिकरण है। इस क्षण ने यात्रा की आध्यात्मिकता को और गहरा कर दिया। यात्रा समिति के सक्रिय सदस्य रौशन सिंह ने कहा कि अयोध्या पहुंचकर रामलला के पहले ही दर्शन में भक्तों की आंखें भर आईं। पदयात्रा के दौरान गूंजते जयघोष वातावरण में ऊर्जा भर रहे थे। बिलासपुर की श्रद्धालु सरिता वर्मा ने कहा दर्शन के क्षण में लगा जैसे प्रभु ने स्वयं अपना आशीर्वाद दिया। वहीं बुजुर्ग श्रद्धालु संतोष चौहान ने कहा जीवन में पहली बार ऐसा दिव्य अनुभव हुआ। यात्रा में स्वयं सेवक रामप्रताप सिंह, रौशन सिंह, एके कंठ, ललित पुजारा, त्रिभुवन सिंह, रिंकू मित्रा, मुकेश झा, हरिशंकर कुशवाहा, चंद्र किशोर प्रसाद, संजय द्विवेदी, सागर साहू, अजीत पंडित, राकेश राय, सन्नी गिरी, जयदीप घोष, सन्नी गिरी, शौलेन्द्र सिंह, माधव सिंह, नितीन श्रीवास्तव, रुपेश कुशवाहा, विक्की राय, हर्ष सिंह, प्रमोद सिंह, विनय सिंह, अंबिकेश पांडे, ईश्वर यादव, समर्पित जैन, प्रकाश देबनाथ, ऋतिक गिरी, त्रिलोकी तिवारी, सनद पटेल, प्रभात चौधरी का सराहनी योगदान है।

ग्राम पंचायत जिगड़ी का सचिव कल्लू राम को पुनर्नियुक्ति को रद्द करने और उन्हें दूसरे जगह स्थान पर स्थानांतरित करने के लिए

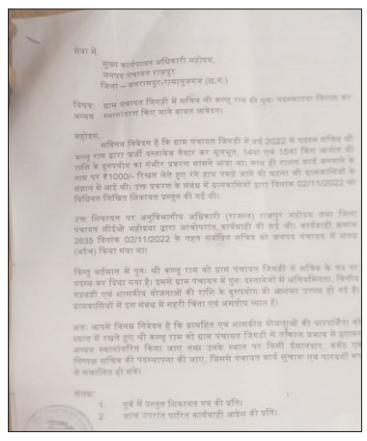

राजपुर बलरामपुर जिले के राजपुर मुख्य कार्यपालन अधिकारी महोदय, जनपद पंचायत राजपुर ग्राम पंचायत जिगड़ी में सचिव कल्लू राम के पुनर्नियुक्ति को रद्द करने और उन्हें दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करने के लिए ग्राम पंचायत जिगडी में वर्ष 2022 में पदस्थ सचिव कल्लू राम द्वारा फर्जी दस्तावेज तैयार कर मूलभूत, 14वां एवं 15वां वित्त आयोग की राशि के दुरुपयोग का गंभीर प्रकरण सामने आया था। साथ ही राशन कार्ड बनवाने के नाम पर रु.1000/- रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़े जाने की घटना भी ग्रामवासियों के संज्ञान में आई थी। उक्त प्रकरण के संबंध में ग्रामवासियों द्वारा दिनांक 02/11/2022 को विधिवत लिखित शिकायत प्रस्तुत की गई थी। उक्त शिकायत पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) राजपुर महोदय तथा जिला पंचायत सीईओ महोदया द्वारा जांचोपरांत कार्यवाही की गई थी। कार्यवाही क्रमांक 2635 दिनांक 02/11/2022 के तहत संबंधित सचिव को जनपद पंचायद में संमध (अटैच) किया गया था। किन्तु वर्तमान में पुनः कल्लू राम को ग्राम पंचायत जिगड़ी में सचिव के पद पर पदस्थ कर दिया गया है। इससे ग्राम पंचायत में पुनः दस्तावेजों में अनियमितता, वित्तीय गड़बड़ी एवं शासकीय योजनाओं की राशि के दुरुपयोग की आशंका उत्पन हो गई है। ग्रामवासियों में इस संबंध में गहरी चिंता एवं असंतोष व्याप्त हो रहा है इस लिए ग्रामहित एवं शासकीय योजनाओं की पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए कल्लू राम को ग्राम पंचायत जिगड़ी से तत्काल प्रभाव से हटाकर अन्य स्थानांतरित किया जाए तथा उनके स्थान पर किसी ईमानदार, कर्मठ एवं निष्पक्ष सचिव की पदस्थापना की जाए, जिससे पंचायत कार्य सुचारू एवं पारदर्शी रूप से संचालित हो सके।

तखतपुर नगर पालिका में घमासान,अध्यक्ष के खिलाफमोर्चा खोलेंगे पार्षद,विवादों से भरा हैं चल रहा भगवान भरोसे

तखतपुर। मिली जानकारी के अनुसार नगर पालिका परिषद तखतपुर के विभिन्न वार्डों में होने वाले विकास कार्यों को लेकर पार्षदों और अध्यक्ष के बीच टकराव की स्थिति बन गई है। पार्षदों ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी (ष्टरूह्र) को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि स्वीकृत विकास कार्यों की सूची में किसी भी प्रकार का परिवर्तन किया गया, तो वे अध्यक्ष और अधिकारी के खिलाफ उग्र आंदोलन करेंगे। करोड़ों के बजट पर पार्षदों के अनुसार उपमुख्यमंत्री अरुण साव द्वारा श्रीराम सदन में विधायक धर्मजीत सिंह की मांग पर तखतपुर के वार्ड विकास के लिए 309.49 करोड़ रुपये के कार्यों की घोषणा की गई थी। इन कार्यों

का प्रस्ताव परिषद में भी पारित किया जा चुका है। पार्षदों का आरोप है कि अब इन कार्यों की सूची को बदलने की कोशिश की जा रही है। इन वार्डों के पार्षदों ने जताई आपत्ति विज्ञप्ति में वार्ड क्रमांक 01, 03, 04, 05, 06, 08, 12 और 14 के विकास कार्यों का विशेष उल्लेख किया गया है। हस्ताक्षर करने वाले पार्षदों का कहना है कि प्रशासन को इन कार्यों का प्रस्ताव तत्काल शासन को भेजना चाहिए। यदि इसमें देरी या बदलाव होता है। तो इसकी समस्त जिम्मेदारी नगर पालिका अध्यक्ष और ष्टरूह्र की होगी। इस हेराफेरी को लेकर प्रभावित वार्ड वासियों में जमकर नाराजगी है

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
बेमेतरा, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.कें. 20251223030003463/
अ-2/ वर्ष 2025-26

एतद सर्वसाधारण ग्राम/नगर बेमेतरा तहसील बेमेतरा जिला बेमेतरा को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका राहूल सलूजा पिता हरभजन सिंह निवासी बेमेतरा तहसील बेमेतरा जिला बेमेतरा (छ.ग.) द्वारा ग्राम/नगर बेमेतरा प.ह.नं. 22 तहसील बेमेतरा जिला बेमेतरा में स्थित उनके नाम की भूमि स्वामी हक की भूमि ख.नं. 1329/2 रकबा 0.101 हे. भूमि को व्यवसायिक प्रयोजनार्थ बाबत् आवेदन पत्र, शपथ पत्र, बी-1, खसरा, स्टाम्प की छायाप्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में किसी को कोई दावा आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 30-03-2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपात्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 22.12.2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
बेमेतरा, जिला-बेमेतरा

मुहर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
नवागढ़ जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

202603230500017
रा.प्र.क्र. / अ-2
वर्ष 2025-26

आवेदिका दुलौरिन बाई साहू, पति श्री मन्नू लाल साहू, जाति तेली साकिन ग्राम घोठा, तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा (छ.ग.) ने ग्राम नवागढ़, प.ह.नं. 12, तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा स्थित अपने भूमिस्वामी हक की भूमि ख.नं. 1148/5 का रकबा 0.03 हेक्टेयर को आवासीय प्रयोजनार्थ पुनःनिर्धारण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति पेश करना हो तो अपनी आपत्ति दिनांक 30/03/2026 तक / पूर्व न्यायालय में पेश कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 19/03/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
नवागढ़, जिला-बेमेतरा

मुहर

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी सरिया,
जिला-सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.मा.क्र
ब-121 वर्ष 2025-26
ग्राम भीखमुपरा
प ह.नं 05
रा.नि.मं- गोबरसिंघा
तहसील सरिया,

एतद् द्वारा सर्व साधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक जनकुमारी साहू पिता श्री शर्मु साहु निवासी भीखमपुरा तहसील सरिया जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ छ0ग0 के द्वारा अपने स्वयं का जन्म दिनांक 01.07.1957 (शब्दों में एक जुलाई उन्नीस सौ सन्तावन) को ग्राम भीखमपुरा में जन्म होने से तथा समयावधि में पंजीयन दर्ज नहीं करा पाने से जन्म/मृत्यु पंजीयन दर्ज किए जाने हेतु आवेदन पत्र, अनुपलब्धता, चालान एवं शपथ पत्र एवं दस्तावेज के साथ प्रस्तुत किया है।

अतः उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई उजर दावा आपत्ति हो तो वह स्वंय या अपने किसी अभिभाषक के माध्यम से नियत तिथि 10.04.2026 के पूर्व प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त उजर दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 23.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी किया गया।

कार्यपालिका दण्डाधिकारी सरिया
जिला-सारंगढ़-बिलाईगढ़

मुहर

न्यायालय तहसीलदार बेरला, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

रा0प्र0क्र0 202509230900050/ अ-6-अ/वर्ष 2024-25

।। राजस्व मामले का नोटिस ।।

राजकुमार पिता रणधीर सिह
निवासी गाम बोरिया, तहसील बेरला, जिला बेमेतरा छ0ग?
विरूद्ध
छ.ग. शासन
प्रति,
1. गौरव जैन पिता गुलाब जैन,
2. जय किशन बजाज पिता जीवत राम बजाज निवासी सभी ग्राम आमापारा रायपुर, तहसील रायपुर, जिला रायपुर छ0ग0

एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि उपर्युक्त मामले में आवेदक राजकुमार पिता रणधीर सिंह निवासी ग्राम बोरिया, तहसील बेरला, जिला येमेतरा ग्राम बोरिया प.ह.नं. 28 तह. बेरला, जिला बेमेतरा छ.ग. में स्थित भूमि खसरा नं. 935/1 रकबा 0.16 है. भूमि को आवेदक के द्वारा विक्रेता गीता अग्रवाल पति संतोष अग्रवाल जाति बनिया निवासी ढुंगाजी कॉलोनी रायपुर तह व जिला रायपुर छ.ग. से दिनांक 06.02.2010 को क्रय किया है, जिसका नामांतरण कमांक 43 दिनांक 19.03.2010 है। तथा जिनका ऋण पुस्तिका जारी हुआ है जिनका ऋण पुस्तिका कमांक पी-1125546 है। आवेदक जो कि कय दिनांक से उपरोक्त खसरे की भूमि में कास्त काबिज होकर कृषि कार्य कर रहे हैं। तथा कास्त कब्जा संबंधी किसी भी व्यक्ति से आवेदक का वाद-विवाद नहीं है। आवेदक जो कि उपरोक्त खसरे का बी-1 नक्शा, खसरा निकलवाने हल्का पटवारी के पास गया तब हल्का पटवारी के द्वारा बताया गया कि उपरोक्त खसरे की भूमि जो कि आनलाइन भुइया रिकार्ड में गौरव जैन पिता गुलाब जैन, जय किशन बजाज पिता जीवत राम बजाज के नाम पर दर्ज हो गया है। आवेदक जो कि उपरोक्त खसरे की भूमि को दिनांक 06.02.2010 को कय किया है तथा कय दिनांक से आवेदक का कब्जा है। एवं आवेदक के द्वारा उपरोक्त खसरे की भूमि का किसी भी व्यक्ति के पास विक्रय नहीं किया गया है। आवेदक की उपरोक्त खसरे की भूमि में गौरव जैन पिता गुलाब जैन, जय किशन बजाज पिता जीवत राम वजाज के नाम पर त्रुटिवश राजस्व अभिलेख एवं आनलाइन रिकार्ड में दर्ज कर दिया गया है, जिसे सुधार कर उपरोक्त खसरे की भूमि का आवेदक के नाम पर राजस्व अभिलेख एवं आनलाइन रिकार्ड में दर्ज किये जाने आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

जिसकी सुनवाई तारीख 10/04/2026 के दिन के 11.00 बजे स्थान-तहसील कार्यालय बेरला में नियत है। इस न्यायालय में उपस्थिति हेतु आपको अंतिम अवसर दिया गया है, अतः आप नियत तिथि को इस न्यायालय मे उपस्थित होंवे अन्यथा आपके विरूद्ध एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

आज दिनांक 25/03/2026 को न्यायालय की मुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

तहसीलदार बेरला
जिला-बेमेतरा

मुहर

जल संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए एसईसीएल को मिला राष्ट्रीय सम्मान.....

बिलासपुर। जल संरक्षण एवं औद्योगिक जल प्रबंधन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) को वाटर डाइजेस्ट अवार्ड 2026 के अंतर्गत इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल वाटर मैनेजमेंट एंड स्ट्यूअर्डशिप अवार्ड से सम्मानित किया गया है। दिनांक 23 मार्च 2026 को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में यह सम्मान माननीय जल शक्ति राज्य मंत्री, भारत सरकार श्री राज भूषण चौधरी के करकमलों से प्रदान किया गया। एसईसीएल की ओर से यह पुरस्कार कंपनी के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन एवं निदेशक (तकनीकी/योजना एवं परियोजना) श्री रमेश चंद्र महापात्र द्वारा ग्रहण किया गया। यह सम्मान एसईसीएल द्वारा संचालित खान जल के सदुपयोग के अंतर्गत किए जा रहे नवाचारपूर्ण प्रयासों के लिए प्रदान किया गया है। इस योजना के माध्यम से खदानों से निकलने वाले जल को आसपास के क्षेत्रों में जल संकट को कम करने के साथ-साथ स्थानीय किसानों को सिंचाई हेतु जल उपलब्ध कराया जा रहा है। इस अवसर पर एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री हरीश दुहन ने कहा,जल संरक्षण हमारे लिए प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है। एसईसीएल सतत एवं जिम्मेदार खनन के प्रति प्रतिबद्ध है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
नवागढ़ जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

202603230500017
रा.प्र.क्र. / अ-2
वर्ष 2025-26

आवेदक राजेश जांगड़े, पिता साहेबदास जांगड़े, जाति सतनामी, साकिन म.नं. 04 वार्ड नं. 08 डिलवापारा, ग्राम खरहरी तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा (छ.ग.) ने ग्राम नवागढ़, प.ह.नं. 12, तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा स्थित अपने भूमिस्वामी हक की भूमि ख.नं. 884/5 का रकबा 0.02 हेक्टेयर को आवासीय प्रयोजनार्थ पुनःनिर्धारण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति पेश करना हो तो अपनी आपत्ति दिनांक 30/03/2026 तक /पूर्व न्यायालय में पेश कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 19/03/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
नवागढ़, जिला-बेमेतरा

मुहर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
नवागढ़ जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

202603230500015
रा.प्र.क्र. / अ-2
वर्ष 2025-26

आवेदक लक्ष्मी कुमार, पिता दाऊराम, जाति सतनामी, साकिन ग्राम बिसनपुर, तहसील कटघोरा, जिला कोरबा (छ.ग.) ने ग्राम नवागढ़, प.ह.नं. 12, तहसील नवागढ़, जिला बेमेतरा स्थित अपने भूमिस्वामी हक की भूमि ख.नं. 884/4 का रकबा 0.02 हेक्टेयर को आवासीय प्रयोजनार्थ पुनःनिर्धारण किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति पेश करना हो तो अपनी आपत्ति दिनांक 30/03/2026 तक /पूर्व न्यायालय में पेश कर सकते है। उक्त तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

आज दिनांक 19/03/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
नवागढ़, जिला-बेमेतरा

मुहर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
बेमेतरा, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.कें. 202512230300036/74/
अ-2/ वर्ष 2025-26

एतद सर्वसाधारण ग्राम / नगर पीपरभट्ठा तहसील बेमेतरा जिला बेमेतरा को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका हरभजन सिंह पिता विलायतीराम सलूजा निवासी बेमेतरा तहसील बेमेतरा जिला बेमेतरा (छ.ग.) द्वारा ग्राम / नगर पिपरभट्ठा प.ह.नं. 19 तहसील बेमेतरा जिला बेमेतरा में स्थित उनके नाम की भूमि स्वामी हक की भूमि ख.नं. 959/1, 959/2, 959/3, 959/4 रकबा क्रमशः 0.18, 0.04, 0.16, 0.10 हे. भूमि को औद्योगिक प्रयोजनार्थ बाबत् आवेदन पत्र, शपथ पत्र, बी-1, खसरा, स्टाम्प की छायाप्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में किसी को कोई दावा आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 30-03-2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त पात्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 22.12.2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
बेमेतरा, जिला-बेमेतरा

मुहर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
बेमेतरा, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.कं. 202512230300035/73/
अ-2/ वर्ष 2025-26

एतद सर्वसाधारण ग्राम/नगर सिंघौरी तहसील बेमेतरा जिला बेमेतरा को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका हरभजन सिंह पिता विलायतीराम सलूजा निवासी बेमेतरा तहसील बेमेतरा जिला बेमेतरा (छ.ग.) द्वारा ग्राम/नगर सिंघौरी प.ह.नं. 26 तहसील बेमेतरा जिला बेमेतरा में स्थित उनके नाम की भूमि स्वामी हक की भूमि ख.नं. 269/15, 269/16 रकबा 0.02, 0.02 हे. भूमि को व्यवसायिक प्रयोजनार्थ बाबत् आवेदन पत्र, प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में किसी को कोई दावा आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 30-03-2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त पात्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 22.12.2025 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
बेमेतरा, जिला-बेमेतरा

मुहर

// न्यायालय तहसीलदार बेरला,
जिला-बेमेतरा (छ.ग.)//

// ईश्तहार //

रा.प्र.क्र./
// वर्ष 2025-26
क्रमांक/1645/वा. तह./2026
बेरला, दिनांक 23/03/2026

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक चतुर साहू पिता तिजू राम निवासी ग्राम सिंगदेही, तहसील बेरला, जिला बेमेतरा द्वारा अपने नाना नन्दू पिता डेरहा, जिनकी मृत्यु दिनांक 15/10/1980 स्थान-कुसमी में हुआ है, जिसकी मृत्यु का पंजीयन किसी भी स्थान में नहीं हुआ है और न ही पूर्व में मृत्यु प्रमाण पत्र जारी हुआ है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र के साथ अनुपलब्धता प्रमाण पत्र, चालान, शपथ पत्र तथा अन्य दस्तावेज पेश किया गया है।

तत्संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति पेश करना हो तो वह स्वयं या अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर पेशी दिनांक 08/04/2026 के पूर्व पेश कर सकते है।

आज दिनांक 23/03/2026 को मेरे स्वतः के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा सहित जारी किया गया है।

तहसीलदार बेरला
जिला-बेमेतरा

मुहर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
बेमेतरा, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

// ईश्तहार //

रा.प्र.कं. 202512230300046
अ-2/ वर्ष 2025-26

एतद सर्वसाधारण ग्राम/नगर कंतेली तहसील बेमेतरा जिला बेमेतरा को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका मोतीलाल पिता रामलाल निवासी बेमेतरा तहसील बेमेतरा जिला बेमेतरा (छ.ग.) द्वारा ग्राम/नगर कंतेली प.ह.नं. 25 तहसील बेमेतरा जिला बेमेतरा में स्थित उनके नाम की भूमि स्वामी हक की भूमि ख.नं. 497, 499 रकबा 0.04, 0.23 हे. भूमि को व्यवसायिक प्रयोजनार्थ बाबत् आवेदन पत्र, शपथ पत्र, बी-1, खसरा, स्टाम्प की छायाप्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में किसी को कोई दावा आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 30-03-2026 को न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपात्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 17/12/25 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
बेमेतरा, जिला-बेमेतरा

मुहर

संक्षिप्त समाचार

स्पेन में 25 साल की महिला ने ली इच्छामृत्यु, देशभर में बहस तेज

मैड्रिड , एजेंसी। स्पेन में 25 साल की नोएलिया कास्टिलो का इच्छामृत्यु लेना पूरे देश में चर्चा का बड़ा मुद्दा बन गया है। नोएलिया कैस्टिलो ने लंबे कानूनी संघर्ष के बाद यह अधिकार हासिल किया और बार्सिलोना में उन्हें जीवन समाप्त करने की अनुमति दी गई। कास्टिलो पिछले कई वर्षों से मानसिक बीमारी और गंभीर शारीरिक समस्याओं से जूझ रही थीं। एक आत्महत्या के प्रयास के बाद वे व्हीलचेयर पर आ गई थीं। उन्होंने 2024 में इच्छामृत्यु के लिए आवेदन किया, जिसे मेडिकल बोर्ड ने मंजूरी दे दी थी। हालांकि, उनके परिवार ने इस फैसले का विरोध किया और मामला कोर्ट तक पहुंच गया। कई अपीलों के बाद स्पेन की सुप्रीम कोर्ट ने कास्टिलो के पक्ष में फैसला सुनाया। मौत से एक दिन पहले उन्होंने कहा कि वे अब और दर्द सहन नहीं कर सकतीं और शांति चाहती हैं। वहीं, उनके परिवार का कहना है कि सरकार ने उनकी बेटी को बचाने में नाकामी दिखाई। स्पेन में 2021 से इच्छामृत्यु कानूनी है, लेकिन यह मामला इसलिए खास बन गया क्योंकि इसमें एक युवा महिला और पारिवारिक विरोध शामिल था। इससे पूरे देश में कानून और नैतिकता पर नई बहस शुरू हो गई है।

कांगो में बढ़ता संघर्ष, संयुक्त राष्ट्र ने दी बड़े खतरे की चेतावनी

किंशासा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र ने अफ्रीकी देश कांगो के पूर्वी हिस्से में बढ़ते संघर्ष को लेकर गंभीर चेतावनी दी है। यूएन की अधिकारी विवियन वैन डे पेरे ने कहा कि अब इस लड़ाई में भारी हथियारों और ड्रोन का इस्तेमाल बढ़ रहा है, जिससे आम लोगों के लिए खतरा और बढ़ गया है। कांगो के इस इलाके में कई वर्षों से हिंसा चल रही है, जहां सरकारी सेना और रू23 जैसे विद्रोही समूहों के बीच संघर्ष होता रहता है। हाल के महीनों में यह लड़ाई और तेज हो गई है और अब नए इलाकों तक फैल रही है। यूएन ने बताया कि ड्रोन और भारी हथियारों का इस्तेमाल शहरों में हो रहा है, जिससे नागरिकों और जरूरी ढांचे को नुकसान पहुंच रहा है। इसके अलावा विद्रोही समूह अपने कब्जे वाले इलाकों में समानांतर शासन भी चला रहे हैं, जिससे हालात और जटिल हो गए हैं। हाल ही में अमेरिका, कांगो और रवांडा के बीच बातचीत हुई है, जिसमें तनाव कम करने की कोशिश की गई। यूएन ने सभी पक्षों से युद्धविराम लागू करने और शांति प्रक्रिया का पालन करने की अपील की है।

अमेरिका में एयरफोर्स बेस के बाहर विस्फोटक मामला, भाई-बहन पर आरोप

फ्लोरिडा , एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा स्थित मैकडिल एयरफोर्स बेस के बाहर विस्फोटक मिलने के मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। इस मामले में भाई-बहन एलन झेंग और एन मैरी झेंग के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। एफबीआई के अनुसार, 20 साल का एलन झेंग चीन भाग गया है, जबकि उसकी बहन को हिरासत में लिया गया है। एलन पर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, खतरनाक विस्फोटक बनाने और बिना रजिस्ट्रेशन के हथियार रखने जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। वहीं उसकी बहन पर सबूत छिपाने और मदद करने का आरोप है। यह घटना 16 मार्च को सामने आई थी जब एयरफोर्स बेस के बाहर एक संदिग्ध पैकेट मिला। इसके बाद पूरे इलाके में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया था। यह बेस बेहद संवेदनशील है क्योंकि यहां से अमेरिका की मध्य-पूर्व और एशिया में सैन्य गतिविधियां संचालित होती हैं। इस घटना के बाद एक अन्य व्यक्ति को भी धमकी भरे फोन कॉल करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया, हालांकि उसका इस विस्फोटक से कोई सीधा संबंध नहीं बताया गया है। ईरान युद्ध के चलते पहले से ही अमेरिकी सैन्य ठिकानों की सुरक्षा बढ़ाई गई थी, ऐसे में इस घटना ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता और बढ़ा दी है।

पाकिस्तान में हो रहे मानवाधिकार हनन की संयुक्त राष्ट्र में कड़ी निंदा

न्यूयार्क, एजेंसी। तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्थाओं पर जिनेवा में आयोजित संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 61वें सत्र में पाकिस्तान में हो रहे मानवाधिकार हनन पर कड़ी निंदा की गई। सत्र के दौरान आर्थिक विकास और मानवाधिकारों का हनन शीर्षक से चर्चा हुई। इस दौरान पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान में किए गए हमलों में बेकसूर अफगान नागरिकों की मौत को लेकर भी गंभीर चिंता जताई गई।

इस दौरान जापानी मानवाधिकार कार्यकर्ता शुन फुजिकी बोले, करीब 27 वैश्विक मानवाधिकार समझौतों से बंधे होने के बावजूद इस देश में गंभीर उल्लंघन जारी हैं। उन्होंने जबरन गायब किए जाने, यातना और हत्याओं की व्यापक रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा कि कई नागरिक या तो देश छोड़कर भाग रहे हैं या भय में जी रहे हैं। इंटरनेशनल करियर सपोर्ट एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस चर्चा में वैश्विक विशेषज्ञों ने भाग लिया और इस बात का विश्लेषण किया कि एशियाई देशों में तीव्र आर्थिक प्रगति किस प्रकार लगातार हो रहे मानवाधिकार उल्लंघनों को अक्सर नजरअंदाज कर देती है।

विशेषाधिकारों के वैश्विक मानक मानने होंगे वक्ताओं ने श्रम अधिकारों के हनन व अभिव्यक्ति की आजादी पर अंकुश और नागरिक कल्याण को

प्राथमिकता न देने वाली विकास नीतियों के व्यापक सामाजिक नतीजों पर प्रकाश डाला। जापान के शुन फुजिकी ने जोर दिया कि हमारा उद्देश्य पाकिस्तान को अलग-थलग करना नहीं, फिर भी पाकिस्तान को व्यापारिक विशेषाधिकारों को बनाए रखने के लिए वैश्विक मानकों का पालन करना होगा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संधियों के प्रति प्रतिबद्धता की गंभीर कमी भी उजागर की।

यूएनएचआरसी के 61वें सत्र में संभली ट्रस्ट के अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह चौहान ने नस्लवाद, भेदभाव और असहिष्णुता की वैश्विक चुनौतियों की पर ध्यानाकर्षित करते हुए समावेशिता के प्रति भारत के सक्रिय दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, नस्ली भेदभाव और विदेशियों के प्रति घृणा विश्व स्तर पर सबसे बड़ी चुनौतियां हैं। ये मुद्दे न केवल मानवीय गरिमा को ठेस पहुंचाते हैं, बल्कि सामाजिक सद्भाव को भी बाधित करते हैं, जिससे शिक्षा, रोजगार और न्याय तक पहुंच में समान अवसरों में बाधाएं पैदा होती हैं। वह बोले, भारत के ढांचे में सांविधानिक सुरक्षा उपाय समानता को बढ़ावा देते हैं और नागरिकों को भेदभाव से बचाते हैं। चौहान ने जोधपुर में किए गए कार्यों की भी जानकारी दी।

बांग्लादेश के पूर्व सांसद डॉ. मुहम्मद हबीबे मिल्लत ने कहा, लोकतांत्रिक व नागरिक आजादी के बिना आर्थिक विकास टिकाऊ नहीं है। बांग्लादेश का उदाहरण देते हुए उन्होंने तर्क दिया कि स्थिरता, समृद्धि व जन संतुष्टि लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और सभी नागरिकों के लिए समान अधिकारों की बहाली पर निर्भर करती है। बांग्लादेश को चाहिए कि वह टिकाऊ आर्थिक विकास के लिए काम करे और सभी धर्मों को वरीयता दे।

साधन संपन्न होने पर भी सिंध में गरीबी: विश्व सिंधी कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ. लखू लुहाना ने पाकिस्तान, विशेषकर सिंध में बढ़ती गरीबी और असमानता पर चिंता जताई। उन्होंने कहा, संसाधन संपन्न होने के बावजूद इस क्षेत्र में गरीबी बढ़ी है, जो पर्यावरण के क्षरण और बेरोजगारी से और भी बढ़ गई है। लुहाना ने अंतरराष्ट्रीय हितधारकों, विशेष रूप से यूरोपीय संघ की भूमिका पर सवाल उठाते हुए पूछा कि क्या उनकी नीतियां वास्तव में मानवाधिकारों को बढ़ावा देती हैं या अनजाने में दमनकारी व्यवस्थाओं का समर्थन करती हैं।

कैलिफोर्निया में मिला कोरोना का वेरिएंट बीए.3.2, गंदे पानी की जांच में हुई पहचान

कैलिफोर्निया , एजेंसी। अमेरिकी कैलिफोर्निया प्रांत में वेस्टवॉटर जांच के दौरान कोरोना का एक नया स्वरूप (वेरिएंट) बीए.3.2 सामने आया है। इसने एक बार फिर संकेत दिया है कि वायरस अभी खत्म नहीं हुआ है, बल्कि यह लगातार स्वरूप बदल रहा है। इसमें बड़ी संख्या में म्यूटेशन पाए गए हैं, लेकिन अभी तक इसके कारण न तो संक्रमण में तेज उछाल दिखा है और न ही गंभीर बीमारी के स्पष्ट संकेत मिले हैं।

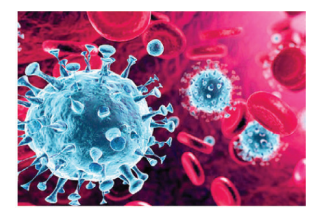

सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के अनुसार बीए.3.2 वेरिएंट की पहचान सबसे पहले कैलिफोर्निया में गंदे पानी यानी वेस्टवॉटर की जांच के दौरान हुई। इस तकनीक से नए वेरिएंट का शुरुआती पता लगाया जाता है। बाद में कुछ मरीजों और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों में भी इस वेरिएंट की पुष्टि हुई। बीए. 3.2, ओमिक्रॉन परिवार से जुड़ा एक नया सब-वेरिएंट है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक इसमें लगभग 70 से 75 म्यूटेशन पाए गए हैं, जिनमें से कई स्पाइक प्रोटीन में हैं। यही प्रोटीन वायरस को कोशिकाओं में प्रवेश में मदद करता है। अधिक म्यूटेशन होने के कारण इस वेरिएंट पर वैज्ञानिकों की विशेष नजर है। हालांकि वैज्ञानिक मानते हैं कि इसके म्यूटेशन इसे फैलने में मदद कर सकते हैं, लेकिन अभी तक यह वेरिएंट बहुत सीमित मामलों में ही पाया गया है। अमेरिका में कुल कोविड मामलों में इसकी हिस्सेदारी बेहद कम है और यह किसी नई लहर का कारण नहीं बना है। इससे संकेत मिलता है कि फिलहाल इसकी ट्रांसमिशन क्षमता व्यापक स्तर पर प्रभाव नहीं डाल रही।

बीए.3.2 वेरिएंट यह दर्शाता है कि कोविड पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, बल्कि नए रूपों में सामने आता रहेगा। हालांकि मौजूदा स्थिति में यह वेरिएंट न तो अत्यधिक खतरनाक साबित हुआ है और न ही तेजी से फैलता दिख रहा है। फिर भी आम लोगों के लिए सावधानी ही सबसे बेहतर बचाव बनी हुई है।

मेक्सिको की खाड़ी में तेल का रिसाव: 600 किलोमीटर तक फैला प्रदूषण, सात प्राकृतिक रिजर्व प्रभावित

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। मेक्सिको की खाड़ी में मार्च की शुरुआत में तेल का भारी रिसाव हुआ। अब इसका प्रदूषण 600 किलोमीटर से ज्यादा बड़े इलाके में फैल गया है। मेक्सिकन अधिकारियों ने बताया कि यह रिसाव एक ऐसे जहाज से शुरू हुआ जिसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। इसमें दो प्राकृतिक स्रोत भी शामिल हैं। इस घटना ने सात प्राकृतिक रिजर्व क्षेत्रों को अपनी चपेट में ले लिया है।

क्या बोले अधिकारी?= नौसेना सचिव एडमिरल रायमुंडो मोरालेस ने मीडिया वार्ता में बताया कि सैटेलाइट तस्वीरों और जांच से रिसाव के तीन मुख्य ठिकानों का पता चला है। पहला स्रोत वेराक्रूज राज्य के कोत्जाकोआल्कोस बंदरगाह के पास खड़ा एक जहाज है। इस जहाज की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है क्योंकि उस समय वहां 13 जहाज मौजूद थे। दूसरा स्रोत इसी बंदरगाह से 8 किलोमीटर दूर एक ऐसी जगह है जहाँ से कच्चा तेल प्राकृतिक रूप से निकलता है। तीसरा स्रोत कैम्पेचे की खाड़ी में स्थित एक और प्राकृतिक रिसाव वाली जगह है। मोरालेस ने स्वीकार किया कि तेल का रिसाव अब भी जारी है। कैम्पेचे की खाड़ी में स्थित कंटारेल से सबसे ज्यादा रिसाव हो रहा है। यहां से प्राकृतिक रूप से तेल निकलता रहता है। हालांकि, पिछले महीने में प्रदूषकों का बहाव काफी ज्यादा रहा है। इस रिसाव ने वेराक्रूज और टबैस्को राज्यों के 200 किलोमीटर लंबे तट को प्रभावित किया है। अब तक 430 टन हाइड्रोकार्बन इकट्ठा किया जा चुका है।

आने वाले महीनों में ऑस्ट्रेलिया की तेल आपूर्ति और मुश्किल होगी : पीएम अल्बनीज

कैनबरा, एजेंसी। झईरान और अमेरिका-इजरायल में जारी हमलों की वजह से जो तनाव पैदा हुआ है, उसने तेल और गैस को लेकर दुनिया के तमाम देशों की चिंता बढ़ा दी है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने शुक्रवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया की फ्यूल सप्लाई शॉर्ट टर्म में अच्छी लग रही है लेकिन आने वाले महीनों में यह और मुश्किल हो जाएगी। देश में बढ़ते फ्यूल संकट पर कैनबरा में पार्लियामेंट हाउस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बात करते हुए पीएम अल्बनीज ने कहा कि सरकार सबसे मजबूत योजना बनाने के लिए रात-दिन काम कर रही है और जो भी हो सकता है उसके लिए पूरी तरह तैयार है। अल्बनीज ने मलेशिया और बड़े आसियान इलाके के साथ अपने सकारात्मक संबंधों का जिक्र किया। बता दें, मलेशिया ऑस्ट्रेलिया को तेल का एक अहम सप्लायर है।

जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा मंत्री क्रिस बोवेन ने कहा कि देश में पेट्रोल, डीजल और तेल की सप्लाई वैसी ही बनी हुई है। बोवेन ने कहा, 'सरकार ने हमेशा माना है कि क्षेत्रीय ऑस्ट्रेलिया में असली और स्वीकार ना की जा सकने वाली कमी है क्योंकि डिमांड बहुत बढ़ गई है और उस मजबूत घरेलू सप्लाई में समय लगा है। '

अल्बनीज तेल के संकट की स्थिति को लेकर चर्चा करने के लिए सोमवार को एक नेशनल कैबिनेट मीटिंग भी बुलाएंगे। इससे पहले दिन में, विपक्ष के नेता एंगस टेलर ने सरकार से तीन महीने के लिए फ्यूल एक्साइज को अस्थायी तौर पर आधा करने की मांग की थी।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, सरकार ने बुधवार को माना कि देश भर के करीब 470 सर्विस स्टेशनों में कम से कम एक तरह का फ्यूल खत्म हो गया है।

इससे पहले 24 मार्च को, ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (एबीसी) ने रिपोर्ट किया था कि ऑस्ट्रेलिया में अब सिर्फ दो घरेलू रिफाइनरियां चल रही हैं, जबकि इसका 80 फीसदी से ज्यादा पेट्रोल, डीजल और जेट फ्यूल इंपोर्ट किया जाता है, जिसमें से लगभग सारा एशिया से आता है।

एबीसी ने यह भी बताया था कि एशियाई रिफाइनर जो कच्चा तेल इस्तेमाल करते हैं, उसका ज्यादातर हिस्सा मिडिल ईस्ट से आता है और इसे मुख्य रूप से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते भेजा जाता है। रिपोर्ट में कहा गया था कि ग्लोबल तेल बाजार में सप्लाई में भारी रुकावट आ रही है और बाजार अभी भी इस झटके के समय और नुकसान को कम आंक रहे हैं। इसमें कहा गया था कि अगर होर्मुज स्ट्रेट फिर से खुल भी जाता है, तो शिपिंग बीमा जल्दी ठीक नहीं हो पाएगा, जिसका मतलब है कि ग्लोबल और ऑस्ट्रेलियाई दोनों अर्थव्यवस्थाओं पर इसका असर और खराब हो सकता है।

ईरान युद्ध के बीच बदलते समीकरणों के चलते चीन ने बदला अपना रुख

महीने चीन जाने का प्लान बना रहे हैं, खाड़ी में लड़ाई बढ़ती जा रही है

वॉशिंगटन , एजेंसी। झअमेरिकी सरकार के एक पूर्व वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि चीन ईरान विवाद पर अपने नजरिए को बदल रहा है। पूर्व अधिकारी ने कहा कि चीन अमेरिका के साथ उच्च स्तरीय बातचीत की तैयारी के लिए तनाव कम करने के लिए समर्थन का संकेत दे रहा है। यह बात ऐसे समय में आई है जब प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप अगले महीने चीन जाने का प्लान बना रहे हैं, जबकि खाड़ी में लड़ाई बढ़ती जा रही है। पूर्व अधिकारी ने कहा, 'यह बहुत अच्छी बात है कि राष्ट्रपति इस बड़े युद्ध के बीच में चीन जाने के लिए तैयार थे।' उन्होंने इस समय को बहुत अजीब बताया। बता दें, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अप्रैल में चीन के दौरे पर जाने वाले थे। हालांकि, हालिया हमलों और तनाव की वजह से अब चर्चा हो रही है कि वह मई में चीन दौरे पर जाएंगे। ट्रंप के चीन दौरे को लेकर अधिकारी ने कहा कि एशिया भर के देश प्रस्तावित समिट पर करीब से नजर रख रहे हैं, क्योंकि इससे इलाके की स्थिरता और आर्थिक हालात पर असर पड़ सकता है। अधिकारी ने कहा, 'एशिया का हर देश देख रहा है और उम्मीद कर रहा है कि जब राष्ट्रपति ट्रंप चीन आएंगे तो क्या उम्मीद की जा

सकती है। '

अमेरिकी सरकार के एक दूसरे पुराने अधिकारी ने कहा कि हाल की आर्थिक बातचीत के बाद इस लड़ाई ने दोनों पक्षों को फिर से सोचने का मौका दिया है। पेरिस में हुई बातचीत का जिक्र करते हुए अधिकारी ने कहा, 'खाड़ी में ऑपरेशन दोनों पक्षों के लिए ज्यादा समय पाने का एक पॉलिटिकल कवर बन गया। ' अधिकारी ने कहा कि चीन ने अमेरिकी राष्ट्रपति की मेजबानी के लिए तैयार होने का संकेत देना जारी रखा है। हालांकि, अभी इस दौरे से संबंधित डिटेल्स को लेकर कुछ भी तय नहीं हुआ है। अधिकारी ने कहा, 'चीनियों ने आज सुबह कमोबेश संकेत दिया कि वे अभी भी उनकी (ट्रंप की) मेजबानी के लिए तैयार होंगे, लेकिन तारीखें कन्फर्म नहीं कीं। ' इसके साथ ही, हाल की डिप्लोमैटिक बातचीत के बाद लड़ाई पर चीन के मैसेज में बदलाव के संकेत दिखे हैं। एक तीसरे पूर्व अमेरिकी अधिकारी ने कहा, 'शांति को बढ़ावा देने, ईरानियों को बातचीत की टेबल पर लाने पर ज्यादा ध्यान दिया गया है।' ध्यान देने लायक बताया। अधिकारी ने आगे कहा कि अमेरिका के लिए एक शांति प्रस्ताव था, जिससे पता चलता है कि बीजिंग उच्च स्तरीय बातचीत से पहले हालात को स्थिर करना चाहता है। बदलते हालात ईरान विवाद और बड़ी अमेरिकी-चीन बातचीत के बीच के संबंध को भी दिखाते हैं। दूसरे अधिकारी ने एजेंडा के संभावित विस्तार की ओर इशारा करते हुए कहा, 'अमेरिका के बातचीत करने वाले अब किस हद तक, ईरानी तेल की चीनी खरीद जैसी बातें उठाना शुरू करेंगे।अधिकारी ने ईरान को चीन के संभावित समर्थन के बारे में भी चिंता जताई। अधिकारी ने कहा, 'झगड़े से पहले, चीनियों ने ईरानियों को एंटी शिप मिसाइल बेचने की बात की थी।'

एयर कनाडा सीईओ पर विवाद फ्रेंच न बोल पाने पर मांगी माफी

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा की बड़ी एयरलाइन एयर कनाडा के सीईओ माइकल रूसो को एक गंभीर विमान हादसे के बाद फ्रेंच भाषा में बात न कर पाने को लेकर भारी आलोचना का सामना करना पड़ा। न्यूयॉर्क में हुए इस हादसे में दो पायलटों की मौत हो गई थी, जिनमें से एक क्यूबेक का फ्रेंच भाषी था। इसके बाद सीईओ ने एक शोक संदेश जारी किया, लेकिन वह पूरी तरह अंग्रेजी में था, जिसमें केवल 'शुभ प्रभात' और 'धन्यवाद' जैसे दो फ्रेंच शब्द ही शामिल थे।

इस पर क्यूबेक के नेताओं और आम लोगों ने कड़ी नाराजगी जताई। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने भी इसे संवेदनशीलता की कमी बताया और कहा कि देश की दोनों आधिकारिक भाषाओं का सम्मान जरूरी है। क्यूबेक के प्रीमियर ने तो सीईओ से इस्तीफा तक मांग लिया। अब माइकल रूसो ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगते हुए कहा कि उन्हें दुख है कि उनकी भाषा की कमी की वजह से हादसे से ध्यान हट गया। उन्होंने स्वीकार किया कि कई वर्षों से कोशिश करने के बावजूद वे अभी भी फ्रेंच में सही तरीके से बात नहीं कर पाते हैं, लेकिन वे सीखने की कोशिश जारी रखेंगे। यह मामला इसलिए भी बड़ा बन गया क्योंकि एयर कनाडा का मुख्यालय क्यूबेक में है, जहां लगभग 80% लोग फ्रेंच बोलते हैं। इससे पहले भी माइकल रूसो को इसी मुद्दे पर आलोचना झेलनी पड़ी थी।

अमेरिका में प्रवासियों को बिना जमानत हिरासत में रखने पर बड़ा फैसला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन को बड़ी राहत देते हुए फैसला सुनाया है कि सरकार प्रवासियों को बिना जमानत के हिरासत में रख सकती है। यह फैसला 8वीं सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स ने दिया, जिसने पहले के निचली अदालत के आदेश को पलट दिया। पहले कहा गया था कि बिना दस्तावेजों के पकड़े गए लोगों को जमानत सुनवाई का अधिकार मिलना चाहिए। यह मामला मेक्सिको के नागरिक जोकिन हेरेरा एविला से जुड़ा था, जिन्हें 2025 में गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने जमानत की मांग की थी, लेकिन अब अदालत ने कहा कि कानून के तहत सरकार उन्हें हिरासत में रख सकती है। यह दूसरा बड़ा फैसला है जो ट्रंप प्रशासन के सख्त इमिग्रेशन रुख के पक्ष में गया है। अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी ने इसे बड़ी जीत बताया है। हालांकि, मानवाधिकार संगठनों ने इस फैसले पर चिंता जताई है और कहा है कि इससे हजारों लोगों की स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है।

अमेरिका ने पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों को और गहरा करने पर दिया जोर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के वरिष्ठ विधायकों और अधिकारियों ने पाकिस्तान के साथ अधिक गहरे और परिणाम-उन्मुख संबंधों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया है और इस रिश्ते को 'जटिल' बताया है। कैपिटल हिल पर बुधवार को टाम सुओजी और जैक बर्गमैन द्वारा आयोजित एक द्विदलीय संगोष्ठी में 200 से अधिक नीति-निर्माताओं, राजनयिकों और विशेषज्ञों ने अमेरिका-पाकिस्तान संबंधों की दिशा का आकलन किया। सुओज़ी ने कहा, 'ऐसे समय में जब हमारा देश और दुनिया बढ़ती विभाजन की भावना महसूस कर रहे हैं, पाकिस्तान जैसे महत्वपूर्ण साझेदारों के साथ अपने संबंधों को मजबूत करना पहले से कहीं अधिक जरूरी है।' संयुक्त राज्य अमेरिका और पाकिस्तान के बीच

संबंध जटिल रहे हैं। बर्गमैन ने विभाजनों के पार संवाद और सहयोग के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'ऐसी एकता संयोग से नहीं होती। यह बातचीत से शुरू होती है। यह इस साझा विश्वास से शुरू होती है कि जब लोग साथ आते हैं, खुले तौर पर विचारों का आदान-प्रदान करते हैं और सम्मानपूर्वक जुड़ते हैं, तो प्रगति संभव है।' उन्होंने जोड़ा कि स्थायी प्रगति के लिए असहमतियों को 'सम्मान के साथ' संभालना आवश्यक है।

अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत रिजवान सईद शेख ने इस रिश्ते को दीर्घकालिक और महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान का यह संबंध निश्चित रूप से सबसे महत्वपूर्ण और प्रभावशाली संबंधों में से एक है, जो लगभग आठ दशकों में कई सफल साझेदारियों के रूप में सामने आया है। हर बार जब हम साथ आए हैं, इसका प्रभाव द्विपक्षीय दायरे से परे रहा है और पूरी दुनिया को लाभ हुआ है। '

अमेरिकी विदेश विभाग के सहायक सचिव एस पॉल कपूर ने कहा कि वाशिंगटन ठोस परिणाम चाहता है। 'हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि अमेरिका-पाकिस्तान द्विपक्षीय संबंधों में सद्भावना और उच्च-स्तरीय ध्यान अमेरिकी और पाकिस्तानी लोगों के लिए ठोस लाभ में बदलें। '

इस संगोष्ठी में सुरक्षा और आर्थिक सहयोग पर पैनल चर्चाएं हुईं। विशेषज्ञों ने क्षेत्रीय स्थिरता, जिसमें भारत व चीन के साथ पाकिस्तान के संबंध भी शामिल हैं और व्यापार व निवेश बढ़ाने की संभावनाओं पर विचार किया। (अटलांटिक काउंसिल) ने कहा कि यह साझेदारी 'अच्छी स्थिति में है,' लेकिन इसे समय के साथ अधिक टिकाऊ बनाने की जरूरत है। पूर्व राजदूत तौकीर हुसैन ने चेतावनी दी कि अमेरिकी नीति केवल दिखावे से आगे बढ़नी चाहिए। 'अगर अमेरिका अच्छे साझेदार चाहता है, तो उसे अच्छी नीतियां बनानी चाहिए। सुरक्षा चिंताएं भी प्रमुख मुद्दा रहीं। लीसा कर्टिस ने चेतावनी दी कि तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) अब भी 'एक खतरनाक और घातक संगठन' है और पाकिस्तान की स्थिरता सुनिश्चित करने में अमेरिका की रुचि पर जोर दिया। हसन अब्बास ने आतंकवाद, संगठित अपराध और सीमा-पार खतरों से निपटने के लिए नागरिक कानून-प्रवर्तन को मजबूत करने की आवश्यकता बताई। आर्थिक मोर्चे पर सोफयां युसूफी ने पाकिस्तान में डिजिटलीकरण और व्यापक आर्थिक सुधारों की ओर बढ़ते प्रयासों का उल्लेख किया लेकिन निर्यात और विदेशी मुद्रा बढ़ाने के लिए स्पष्ट औद्योगिक नीति की जरूरत बताई।

धोनी 2 हफ्ते आईपीएल से बाहर रह सकते हैं

● मांसपेशियों में खिंचाव, सीएसके ने पोस्ट में जानकारी दी

चेन्नई (एजेंसी)। एमएस धोनी आईपीएल 2026 के शुरुआती दो हफ्ते बाहर रह सकते हैं। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान इस समय मांसपेशियों में खिंचाव के कारण रिहैब से गुजर रहे हैं। सीएसके की ओर से एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि उन्हें काफ स्ट्रेन, यानी पिंडली में खिंचाव है।

3 मैचों से हो सकते हैं बाहर

अगर धोनी पूरे 2 हफ्ते यानि 14 दिन तक बाहर रहते हैं तो वो कम से कम 3 मैच नहीं खेल पाएंगे। सीएसके का पहला मैच 30 मार्च को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ है। इसके बाद उसका अगला मैच 3 अप्रैल को चेन्नई में पंजाब किंग्स के खिलाफ है। टीम अपना तीसरा मैच 5 अप्रैल को डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ उसके ही घर में खेलेगी, जिसका हर किसी को बेसब्री से इंतजार है। धोनी इन तीनों ही मैच से बाहर रह सकते हैं। उनकी वापसी 11 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में हो सकती है।

44 साल के धोनी आईपीएल 2026 के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी

धोनी फिलहाल 44 साल के हैं। वे आईपीएल 2026 के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। पिछले सीजन ऋतुराज गायकवाड के चोटिल होने के बाद उन्हें बीच में ही चेन्नई की कप्तानी करनी पड़ी। उन्होंने टीम को 4 में से 3 मैचों में जीत दिलाई थी।

आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच धोनी के नाम- आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच खेलने वालों में महेंद्र सिंह धोनी पहले पायदान पर हैं। वे अब तक 278 मैच खेल चुके हैं। चेन्नई सुपर किंग्स को पांच बार खिताब जिताया है। 38.30 की औसत से 5439 रन बनाए हैं। इस दौरान धोनी ने 24 अर्धशतक भी लगाए हैं। उन्होंने विकेटकीपिंग में 47 स्टंपिंग और 154 कैच भी लपके हैं।

आईपीएल में 100 मैच जीतने वाले इकलौते कप्तान

धोनी आईपीएल में 100 मैच जीतने वाले एकमात्र कप्तान हैं। उन्होंने आईपीएल में सबसे ज्यादा 235 मैचों में कप्तानी की है। धोनी अपनी कप्तानी में टीम को 136 मैचों में जीत दिला चुके हैं, जबकि 97 में टीम को हार मिली। धोनी ने अपनी कप्तानी में सीएसके को 2023 में आखिरी बार चैंपियन बनाया था। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर रोहित शर्मा हैं। उन्होंने 158 मैचों में कप्तानी की है और 87 मैच जीते हैं।

2023 में आईपीएल फाइनल के बाद हुई थी घुटने की सर्जरी

धोनी ने आईपीएल 2023 के फाइनल के बाद 1 जून को मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में घुटने की सर्जरी कराई थी। धोनी का ऑपरेशन डॉक्टर दिनशॉ पारदीवाला ने किया था।

धोनी की रिटायरमेंट को लेकर 2023 से अटकलें

धोनी इंटरनेशनल क्रिकेट से साल 2020 में संन्यास ले चुके हैं। उनके आईपीएल रिटायरमेंट की अटकलें 2023 से ही लगाई जा रही हैं। ऐसा माना जा रहा था कि साल 2026 धोनी का आखिरी साल होगा।

जसप्रीत बुमराह मुंबई टीम से जुड़े

पांच दिनों से बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में थे, केकेआर के खिलाफ पहला मैच खेल सकते हैं

मुंबई (एजेंसी)। जसप्रीत बुमराह मुंबई इंडियंस टीम से जुड़ गए हैं। खबरों के मुताबिक, वे शुक्रवार शाम टीम होटल पहुंचे। बुमराह रविवार को मुंबई में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ खेल सकते हैं। बुमराह पिछले पांच दिनों से बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में थे और अपने फिटनेस और वर्कलोड मैनेजमेंट पर काम कर रहे थे।

टीम के दूसरे टॉप विकेट टेकर

बुमराह ने 2013 में मुंबई के लिए डेब्यू किया था और तब से वे टीम के सबसे अहम गेंदबाजों में शामिल हैं। उन्होंने 148 मैचों में 186 विकेट लिए हैं। वे मुंबई के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 2013, 2015, 2017, 2019 और 2020 की खिताबी जीत में बड़ी भूमिका निभाई है। पिछले सीजन शुरुआती 4 मैचों में नहीं खेले थे बुमराह पिछले सीजन में शुरुआती चार मैच नहीं खेल पाए थे। टीम उन मुकाबलों में से तीन हार गई थी।

विल जैक्स और सैंटनर अब तक नहीं जुड़े

मुंबई टीम के विल जैक्स और मिचेल सैंटनर अभी तक स्क्वॉड से नहीं जुड़े हैं। दोनों खिलाड़ी 27 मार्च को हुए जरूरी प्रैक्टिस सेशन में भी नजर नहीं आए। हालांकि, उनकी अनुपस्थिति के पीछे इंटरनेशनल क्रिकेट शेड्यूल और आराम को वजह माना जा रहा है। खासकर सैंटनर हाल ही में साउथ अफ्रीका के खिलाफ न्यूजीलैंड टीम की कप्तानी कर रहे थे और उन्हें सीरीज के बाद ब्रेक दिया गया था।

बांग्लादेश में आईपीएल का प्रसारण हो सकता है

● प्रसारण मंत्री बोले- देश में ब्रॉडकास्ट पर कोई रोक नहीं

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश ने आईपीएल 2026 के प्रसारण को लेकर अपने रुख में बड़ा बदलाव किया है। सरकार ने संकेत दिए हैं कि अब देश में आईपीएल के मैचों के प्रसारण की अनुमति दी जा सकती है। दरअसल, इससे पहले प्रोफेसर यूनुस के नेतृत्व वाली

बांग्लादेश सरकार ने आईपीएल के प्रसारण पर रोक लगा दी थी। यह फैसला तब लिया गया था जब तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल टीम से बाहर किए जाने को लेकर विवाद हुआ था, जिससे देश में नाराजगी बढ़ गई थी।

सरकार करेगी समीक्षा

बांग्लादेश के नए सूचना एवं प्रसारण मंत्री जाहिर उद्दीन स्वपन ने कहा कि उनके देश (बांग्लादेश) में आईपीएल के प्रसारण पर कोई रोक नहीं है। इससे पहले, युवा और खेल मामलों के राज्य मंत्री अमीनुल हक ने क्रिकबज से बातचीत मे कहा था कि पिछली अंतरिम सरकार द्वारा आईपीएल के प्रसारण पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद वे इस संबंध में संबंधित अधिकारियों से बात करेंगे।

इंदौर में होगा मुकाबला

11 अक्टूबर को भारत-वेस्टइंडीज के बीच टी-20

सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में 11 अक्टूबर को सीरीज का तीसरा मैच

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर के होल्कर स्टेडियम को एक और मैच की मेजबानी मिली है। 11 अक्टूबर को भारत और वेस्टइंडीज के बीच टी-20 मैच खेला जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम इंडिया के 2026-27 के घरेलू इंटरनेशनल सीजन का शेड्यूल जारी किया।

आगामी घरेलू सीजन में रोमांचक और एक्शन से भरपूर मुकाबले देखने को मिलेंगे। चार मेहमान टीमें वेस्टइंडीज, श्रीलंका, जिम्बाब्वे और ऑस्ट्रेलिया मल्टी फॉर्मेट क्रिकेट खेलने के लिए भारत आएंगी। इस सीजन में 17 शहरों में 22 इंटरनेशनल मैच खेले जाएंगे। सीजन की शुरुआत वेस्टइंडीज के भारत दौरे से होगी। इस दौरे की शुरुआत 27 सितंबर 2026 से होगी। इस दौरान भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज और उसके बाद पांच टी-20 मैचों की सीरीज खेली जाएगी। वनडे मैच तिरुवनंतपुरम, गुवाहाटी और न्यू चंडीगढ़ में खेले जाएंगे। टी-20 मैच लखनऊ, रांची, इंदौर, हैदराबाद और बेंगलुरु में होंगे।

होलकर स्टेडियम में अब तक 4 टी-20 मैच खेले गए

● **पहला मैच-** 2017 में श्रीलंका को 88 रनों से हराया। ● **दूसरा मैच-** 2020 में श्रीलंका को 7 विकेट से हराया। ● **तीसरा मैच-** दक्षिण अफ्रीका ने 49 रन से भारत को हराया। ● **चौथा मैच-** भारत ने 6 विकेट से अफगानिस्तान को हराया।

मानसिक मजबूती की मदद से जीती प्लेयर्स चैम्पियनशिप

● अमेरिकी गोल्फर ने नंबर-2 से नंबर-1 बनने के लिए माइंडसेट में किया बदलाव, मूलमंत्र- वर्तमान में जियो

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। गोल्फ की दुनिया में अक्सर प्रतिभा से ज्यादा मानसिक मजबूती मायने रखती है। इस बात को गोल्फर कैमरन यंग ने हाल ही में 'द प्लेयर्स चैम्पियनशिप' जीतकर सच साबित किया है। इस जीत से यंग वर्ल्ड गोल्फ रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

हालांकि यह सफलता उन्हें रातों-रात नहीं मिली। पीजीए टूर में अक्सर खिताब के करीब पहुंचकर पिछड़ने वाले यंग के लिए यह एक बड़े मानसिक बदलाव का नतीजा है। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले यंग के मन में विचार आया कि क्या होगा अगर मैं यह खिताब जीत लूं, लेकिन उन्होंने अगले ही पल यह विचार दिमाग से निकाल दिया। उन्हें एहसास हुआ कि यदि पूरा ध्यान सिर्फ ट्रॉफी जीतने पर रहेगा, तो वे मंजिल तक नहीं पहुंच पाएंगे।

पिछले एक साल से यंग स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट डॉ. ब्रेट मैककेबे के साथ मानसिक मजबूती पर काम कर रहे हैं। यंग बताते हैं कि पहले बड़े टूर्नामेंट के दौरान वे नकारात्मक सोचने लगते थे। उनका ध्यान नतीजों पर टिका होता था और वे हमेशा घबराए रहते थे कि उन्हें टॉप-5 में जगह बनानी है। करियर के शुरुआती दौर में वे लीडरबोर्ड के टॉप पर जगह बना लेते थे, लेकिन ऐन मौके पर चूक जाते थे।

इसकी वजह प्रतिभा की कमी नहीं, बल्कि भटकता हुआ दिमाग था। जब परिस्थितियां योजना के मुताबिक नहीं होती थीं, तो वे खुद पर नियंत्रण खो बैठते थे। डॉ. मैककेबे के साथ काम करके यंग ने नतीजों के बजाय प्रक्रिया और छोटे कदमों पर ध्यान लगाना सीख लिया है। इसका सबसे बड़ा असर पिछले साल क्रेल हॉलो क्लब की पीजीए चैम्पियनशिप में दिखा।

उस समय यंग बीमार थे और 30वें नंबर पर संघर्ष कर रहे थे। थकान से गलतियां हो रही थीं। उन्हें वापसी करना नामुमकिन लग रहा था। तभी उन्हें मनोवैज्ञानिक की बात याद आई कि परिस्थितियां कैसी भी हों, अपना शॉट खेलना ही है।

भारत को दो ओलंपिक मेडल दिलाने वाले स्टार खिलाड़ी

गुरजंत सिंह ने किया संन्यास का ऐलान

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम के दो बार के ओलंपिक मेडलिस्ट खिलाड़ी गुरजंत सिंह ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास का ऐलान कर दिया है। उनके इस फैसले ने फैंस को हैरान कर दिया है और एक शानदार करियर का अंत हो गया है। गुरजंत सिंह ने कहा कि अब समय आ गया है कि युवा खिलाड़ियों को मौका दिया जाए।

शानदार रहा अंतरराष्ट्रीय करियर- 31 वर्षीय गुरजंत सिंह ने भारत के लिए 130 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और 33 गोल दागे। वह 2023 एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे। इसके अलावा उन्होंने टोक्यो 2020ओलंपिक और पेरिस 2024 ओलंपिक में लगातार दो ब्रॉन्ज मेडल जीतने में अहम भूमिका निभाई।

चोट बनी करियर का टर्निंग पॉइंट

गुरजंत सिंह पिछले साल जून में खेले गए प्रो लीग के बाद से टीम से बाहर चल रहे थे। उन्होंने बताया कि पीठ की चोट के कारण वह करीब 7-8 महीने तक मैदान से दूर रहे। चोट से वापसी के बाद भी वह राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह नहीं बना सके, जिसके बाद उन्होंने संन्यास लेने का फैसला किया।

जूनियर से सीनियर तक बनाया बड़ा नाम

गुरजंत ने अपने करियर की शुरुआत जूनियर स्तर से की और 2016 जूनियर वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन किया। फाइनल में उनका गोल भारत की जीत में अहम साबित हुआ। तेज रफ्तार और आक्रामक खेल के कारण उन्होंने जल्द ही सीनियर टीम में अपनी जगह पक्की कर ली।

कई बड़ी उपलब्धियां और सम्मान- गुरजंत सिंह 2017 एशिया कप और कई एशियन चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम का भी हिस्सा रहे। साल 2021 में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें अर्जुन अवार्ड से सम्मानित किया गया, जो भारतीय खेलों का बड़ा सम्मान है।

गोल से रचा रिकॉर्ड

जनवरी 2020 में नीदरलैंड्स के खिलाफ एफआईएच प्रो लीग मैच में गुरजंत सिंह ने सिर्फ 13 सेकंड में गोल दागा था। यह अंतरराष्ट्रीय हॉकी में किसी भारतीय खिलाड़ी द्वारा किया गया सबसे तेज गोल है, जिसने उन्हें खास पहचान दिलाई। हालांकि गुरजंत सिंह ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास ले लिया है, लेकिन वह अभी भी घरेलू और लीग हॉकी में खेलते रहेंगे। उन्होंने कहा कि वह हाकी इंडिया लीग और विदेशी क्लबों में खेलने के अवसर तलाशेंगे।

सीनियर टीम के लिए हुए एलिजिबल, आईसीसी नियमों के तहत इंटरनेशनल डेब्यू के लिए तैयार

वैभव सूर्यवंशी 15 साल के हुए

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी 27 मार्च को 15 साल के हो गए हैं। अपना जन्मदिन आईपीएल 2026 के शुरू होने से ठीक एक दिन पहले मनाया था। आईपीएल में डेब्यू करने के बाद से ही यह चर्चा लगातार चल रही थी कि वैभव को भारत की सीनियर टीम में कब मौका मिलेगा। अब 15 साल की उम्र पूरी करते ही उनका इंतजार खत्म हो गया है। आईसीसी के प्लेयर एलिजिबिलिटी नियमों के अनुसार अब वैभव सीनियर इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने के लिए पूरी तरह पात्र हो गए हैं।

2020 में लागू हुआ था नियम- आईसीसी के प्लेयर एलिजिबिलिटी रेगुलेशंस के आर्टिकल 4.1 के अनुसार, कोई भी खिलाड़ी इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने देश का प्रतिनिधित्व तभी कर सकता है, जब सीरीज या टूर्नामेंट के पहले मैच तक उसकी उम्र कम से कम 15 साल हो। यह नियम नवंबर 2020 से लागू है। इसका मकसद युवा खिलाड़ियों की शारीरिक और मानसिक सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

वैभव सूर्यवंशी के टॉप-3 रिकॉर्ड

● **वैभव आईपीएल में फिफ्टी लगाने वाले यंगेस्ट प्लेयर-** वैभव सूर्यवंशी आईपीएल में फिफ्टी लगाने वाले सबसे कम उम्र के प्लेयर बने। उन्होंने मात्र 14 साल और 32 दिन में अर्धशतक लगाया। सेकेंड पोजिशन पर कप्तान रियान पराग है, उन्होंने 17 साल 175 दिन में 2019 में फिफ्टी लगाई थी।

● **वैभव मुश्ताक अली में शतक लगाने वाले यंगेस्ट बैटर-** वैभव ने 10 दिन पहले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी शतक लगाया था। 14 साल के वैभव टूर्नामेंट में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाले बल्लेबाज बने थे। उन्होंने 2 दिसंबर को ईडन गार्डन्स में महाराष्ट्र के खिलाफ 61 गेंदों में नाबाद 108 रन बनाए, जिसमें 7 चौके और 7 छक्के शामिल थे। साथ ही वैभव 14 की उम्र में 3 टी-20 सेंचुरी लगाने वाले इकलौते प्लेयर हैं।

● **वैभव टी-20 में शतक लगाने वाले यंगेस्ट बैटर-** टी-20 क्रिकेट में अब तक के सबसे युवा शतक लगाने वाले खिलाड़ियों में वैभव सूर्यवंशी का नाम सबसे ऊपर आता है। उन्होंने 14 साल 32 दिन की उम्र में राजस्थान रॉयल्स के लिए गुजरात टाइटंस के खिलाफ 35 बॉल में शतक पूरा किया।

इसके बाद, विजय जोल ने 18 साल 118 दिन में महाराष्ट्र के लिए मुंबई के खिलाफ 2013 में शतक लगाया था।

31 मार्च 2023 से पहले के बकाया बिलों पर मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना दे रही बड़ी राहत

बीपीएल, निष्क्रिय घरेलू, कृषि उपभोक्ताओं को मूल राशि पर 50% से 75%तक और अधिभार पर 100% की छूट, इस योजना का लाभ जून 2026 तक मिलेगा

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

कार्यपालन अभियंता प्रफुल्ल चंद्र महानन्दा ने जानकारी दी कि, मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना का लाभ हर पात्र उपभोक्ता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना है ताकि उन्हें आर्थिक राहत मिल सके। इस योजना के अंतर्गत 31 मार्च 2023 से पहले के बकाया बिलों पर बड़ी राहत दी जा रही है, जिसमें बीपीएल और निष्क्रिय घरेलू, कृषि उपभोक्ताओं को मूल राशि पर 50त्न से 75त्न तक और अधिभार (सरचार्ज) पर 100त्न की छूट मिलेगी। सक्रिय बीपीएल उपभोक्ताओं के लिए 05 वर्ष से पूर्व एवं 01 से 05 वर्ष अवधि के बकाया पर मूल राशि पर क्रमशः 75त्न एवं 50त्न और अधिभार में 100त्न छूट के साथ-साथ सक्रिय अशासकीय घरेलू एवं कृषि उपभोक्ताओं को एकमुश्त भुगतान पर मूल राशि में 10त्न और तीन किस्तों में भुगतान पर 05त्न की अतिरिक्त छूट का प्रावधान के साथ 06 किस्तों में भी भुगतान की सुविधा एवं तीनों स्थितियों में अधिभार पर 100त्न छूट का प्रावधान है। इस योजना का लाभ जून 2026 तक मिलेगा।

आम नागरिकों को योजना का लाभ देते हुए विद्युत अधिकारी कर्मचारी

नजदीकी विद्युत कार्यालय में और मोर बिजली एप में भुगतान की सुविधा

उपभोक्ता अपनी सुविधा के अनुसार एकमुश्त भुगतान या किस्तों में भुगतान का विकल्प चुन सकते हैं। योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ताओं को अपना पंजीयन कराना आवश्यक होगा। नजदीकी कार्यालय में जाकर कराया जा सकता है। वहीं उपभोक्ताओं को अपने एण्ड्राइड फोन पर ''मोर बिजली ऐप'' डाऊनलोड करके पंजीकरण करना होगा, जिसके लिए कुल बकाया का न्यूनतम 10त्न तुरंत जमा करना अनिवार्य है। किस्तों में भुगतान करने पर भविष्य में कोई नया अधिकार नहीं जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय सरकार द्वारा प्रारंभ की गई ÷बिजली बिल भुगतान समाधान योजना-2026÷ आम नागरिकों के लिए बड़ी राहत देने वाली जनकल्याणकारी और जनहितैषी योजना है। प्रदेश में लगभग 28.42 लाख बिजली उपभोक्ता इस योजना से लाभान्वित हो सकते हैं। इससे करीब 1566 करोड़ रुपये के बकाया प्रकरणों के समाधान का मार्ग प्रशस्त होगा और उपभोक्ताओं को लगभग 757 करोड़ रुपये की राहत मिलने का अनुमान है।

सीआरपीएफ के सिविक एक्शन व मेडिकल कैंप से 660 ग्रामीण लाभान्वित

गलगम में सामग्री वितरण, मुरदंडा में स्वास्थ्य जांच व दवा वितरण

बीजापुर/मूक पत्रिका

जिले में सीआरपीएफ ने रविवार को दो अलग-अलग जगहों पर कैंप लगाकर ग्रामीणों तक मदद पहुंचाई। गलगम और मुरदंडा में हुए इन आयोजनों में कुल करीब 660 लोगों को फायदा मिला। गलगम में 229 बटालियन ने सिविक एक्शन प्रोग्राम के साथ मेडिकल कैंप लगाया। यहां आसपास के गांवों से आए लोगों को पानी टैंक, खेती के औजार, कंबल, साड़ी-लुंगी, चप्पल, बर्तन और फलदार पौधे बांटे गए। बच्चों को पढ़ाई का सामान दिया गया और युवाओं को खेल किट। साथ ही मेडिकल कैंप में लोगों की जांच कर उन्हें मुफ्त दवाइयां भी दी गई। इस कैंप से करीब 500 ग्रामीणों को राहत मिली। वहीं मुरदंडा में 170 बटालियन ने फ्री मेडिकल कैंप लगाया। इसमें मुरदंडा, कोट्टागुड़ा, कोमाइटगुड़ा और स्कूल पारा के करीब 160 लोग पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने जांच की और जरूरत के मुताबिक दवाइयां दीं। कैंप में आए लोगों के लिए खाने का भी इंतजाम किया गया था। ग्रामीणों ने दोनों जगहों पर हुए इन आयोजनों को अच्छा बताया। उनका कहना है कि ऐसे कैंप से उन्हें सीधी मदद मिलती है और सुरक्षा बलों के साथ भरोसा भी बढ़ता है।

दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने मवेशियों के गले में लगा रहे रेडियम पट्टी

कोरबा/मूक पत्रिका

शहर सहित जिले भर की सड़कों में दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और आम जनों को सुरछित व सुलभ आवागमन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी एवम् अतरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पाटले नीतिश ठाकुर और सीएसपी प्रतीक चतुर्वेदी के निर्देश व मार्गदर्शन में यातायात पुलिस की टीम पिछले कई महीनों से अलग अलग थीम पर काम कर रही है इसी कड़ी में यातायात पुलिस के द्वारा मवेशियों के गले में रेडियम पट्टी बांधी जा रही है ताकि रात के अंधेरे में दूर से ही वाहन चालकों को दुर्घटनाओं से बचाया जा सके और अगाह किया जा सके इसके साथ ही यातायात पुलिस की टीम संभावित दुर्घटना वाली सड़कों में सुरछित वाहन चलाने को लेकर बैनर पोस्टर भी चस्पा कर रही है जिसमें सुरछित वाहन चालन को लेकर नियमों की जानकारी के साथ महत्वपूर्ण टिप्स छपवाया गया है इस पूरी कवायद का नेतृत्व यातायात पुलिस कोरबा के सहायक उप निरीक्षक मनोज राठौर ईश्वरी लहरे एवम रामनारायण रात्रे सहित संबंधित छेत्र के थाना और चौकी प्रभारी अपनी अपनी टीम के साथ निभा रहे हैं।

NH-30 पर दर्दनाक हादसाः मजदूरों से भरी बोलेरो नाले में गिरी, महिला की मौत

13 घायल, 6 की हालत गंभीर; मिर्ची तोड़ाई से लौट रहे थे मजदूर

सुकमा/भद्राचलम/मूक पत्रिका

नेशनल हाईवे-30 पर चिंतूर मंडल के बोड्डुगुड़ेम के पास देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। मजदूरों से भरी तेज रफ्तार बोलेरो अनियंत्रित होकर पहले कल्वर्ट से टकराई और फिर नाले में जा गिरी। हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 13 लोग घायल हो गए। घायलों को तुरंत एदुगुरालपल्ली अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक इलाज के बाद 6 लोगों की हालत गंभीर होने पर उन्हें भद्राचलम क्षेत्रीय अस्पताल रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार सभी घायल छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के कटेकल्याण क्षेत्र के रहने वाले हैं। ये मजदूर तेलंगाना के एटापाका मंडल के मुरुमुरु गांव में मिर्ची तोड़ाई के काम से लौट रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक धान कटाई के बाद हर साल बड़ी संख्या में मजदूर इस इलाके से तेलंगाना और आंध्रप्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में मिर्ची तोड़ाई के लिए जाते हैं। तेंदूपत्ता सीजन शुरू होने से पहले वे वापस अपने गांव लौटते हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शुरुआती तौर पर हादसे की वजह तेज रफ्तार और वाहन के अनियंत्रित होने को माना जा रहा है।

सारंगढ़-बिलाईगढ़ में यातायात नियम पर भारी सख्ती , 76 चालान, मे 35,400 का जुर्माना

सारंगढ़ बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़ बिलाईगढ़,ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करने वाले और सड़क किनारे अव्यवस्थित खड़े किये वाहनों, नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों पर विगत दिनों यातायात दल द्वारा लगातार ऑनलाइन मोटर व्हीकल एक्ट की कार्यवाही की गई जिसमें 22 मार्च को 16 प्रकरण 5 हजार 800?, 24 मार्च को 23 प्रकरण 7 हजार 900?, 25 मार्च को 19 प्रकरण 12 हजार 200?, 26 मार्च को 18 प्रकरण 9 हजार 500? की चालानी कार्यवाही की गई। इन 4 दिन में 76 प्रकरण और 35 हजार 400 रूपये का जुर्माना लगाया गया। इस कार्य में यातायात प्रभारी रक्षित निरीक्षक जितेन्द्र चन्द्रा, उप निरीक्षक समेलाल सोनवानी, प्रधान आरक्षक श्याम प्रधान, मुकेश साहू, आरक्षक अक्षय रात्रे और सनसाई तिग्गा आदि शामिल थे।

जीवनदीप फंड पर सवाल, बीडीएम अस्पताल चांपा में मनमानी भर्तियों का आरोप

बीडीएम अस्पताल में जीवनदीप समिति की कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

स्व. बिसाहूदास महंत स्मृति शासकीय चिकित्सालय एक बार फिर विवादों में घिरता नजर आ रहा है। इस बार मामला जीवनदीप समिति के फंड के कथित दुरुपयोग और नियमों को दरकिनार कर चहेतों की नियुक्ति से जुड़ा हुआ है। स्थानीय स्तर पर उठ रही शिकायतों ने अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार अस्पताल में आवश्यकता से कहीं अधिक नियुक्तियां करने की तैयारी चल रही है। आरोप है कि जीवनदीप समिति के फंड का उपयोग वास्तविक जरूरतों के बजाय मनमानी भर्तियों में किया जा रहा है, जिससे न केवल सरकारी धन के दुरुपयोग की आशंका है बल्कि पूरी व्यवस्था की पारदर्शिता भी संदेह के घेरे में आ गई है।

फार्मासिस्ट भर्ती को लेकर उठे सवाल-

सूत्रों के मुताबिक अस्पताल में पहले से ही तीन नियमित फार्मासिस्ट पदस्थ हैं, जो दवा वितरण एवं संबंधित कार्यों को संभाल रहे हैं। इसके बावजूद जीवनदीप समिति के माध्यम से एक और फार्मासिस्ट की भर्ती की तैयारी की जा रही है। जानकारों का कहना है कि यह नियुक्ति न तो आवश्यकता आधारित है और न ही तर्कसंगत, जिससे फंड के अनावश्यक खर्च की बात सामने आ रही है।

दंत सहायक की नियुक्ति भी विवादों में - अस्पताल में दंत चिकित्सा से जुड़े कार्य सीमित होने के बावजूद जीवनदीप समिति के माध्यम से दंत सहायक की नियुक्ति कर दी गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब संबंधित कार्य ही नगण्य हैं, तो इस पद पर भर्ती का औचित्य समझ से परे है। इससे जीवनदीप फंड के उपयोग को लेकर संदेह और गहराता जा रहा है।

डीएमएफकर्मचारी की पुनः भर्ती पर भी सवाल - मामले का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) फंड से कार्यरत एक महिला कर्मचारी को पूर्व में सेवा से हटा दिया गया था। अब उसी कर्मचारी को जीवनदीप समिति के माध्यम से दोबारा भर्ती करने की तैयारी की जा रही है। इस पर भी पक्षपात और नियमों के उल्लंघन के आरोप लगाए जा रहे हैं।जीवनदीप फंड के उपयोग पर उठे गंभीर प्रश्न -जीवनदीप समिति का उद्देश्य अस्पताल में सुविधाओं का विस्तार और मरीजों को अतिरिक्त सहयोग प्रदान करना होता है, लेकिन यहां फंड का उपयोग कथित रूप से मनमानी नियुक्तियों के लिए किए जाने के आरोप सामने आ रहे हैं। सामाजिक कार्यकर्ताओं और जागरूक नागरिकों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

शासन-प्रशासन से जांच की मांग -

क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि समय रहते इस मामले की जांच नहीं हुई तो शासन को आर्थिक क्षति के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

उन्होंने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से इस पूरे प्रकरण की पारदर्शी जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडेय का धुआंधार दौरा कार्यक्रम अभी पिछले दो दिनों से जारी है-संजय पांडे

जिला पंचायत अध्यक्ष संजय पांडे द्वारा मनरेगा के कार्यो का सतत निरीक्षण

सारंगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़ - जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडेय का धुआंधार दौरा कार्यक्रम अभी पिछले दो दिनों से जारी है,संजय पांडे, मनरेगा में चल रहे निर्माण कार्यो का सतत निरीक्षण कर रहे है साथ ही कार्यो का औचित्य की भी जानकारी ले रहे है इस विषय में विगत दो-तीन दिनों से जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा सारंगढ़ विधानसभा के साथ ही जिले के तीनों ब्लाकों में दौरा किया जा रहा है जिसमें मनरेगा के अंतर्गत चल रहे मजदूरी मूलक एवं निर्माण कार्यो की जानकारी कार्य स्थल में पहुंचकर जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा तकनीकी सहायक एसडीओ पी ओ से पूरी जानकारी लेकर निरीक्षण किया जा रहा है साथ ही डुश्चश, क्क द्वारा जारी किए गए कार्यो की सूची का स्थल निरीक्षण कर उन कार्यो का औचित्य भी जानने का प्रयास किया जा रहा है और निर्माण कार्य जिन स्थलों पर किया जा रहा है, क्या वहां पर वह उचित है इसे भी देखा जा रहा है किसी भी कार्य के लिए स्थल चयन महत्वपूर्ण होता है इस संबंध में पंडरीपानी बछौरडी नवापारा, रेडा कलमी,बोरीदा साल्हे, पेंड्रावन में महतारी सदन ,नर्सरी , बालक छात्रावास,बालिका छात्रावास, नल जल योजना सभी कार्यो का निरीक्षण कर सभी की समीक्षा जिला पंचायत के सामान्य प्रशासन समिति में की जानी है इस संबंध में दौरा किया जा रहा है जिससे कार्यो का औचित्य एवं मजदूर मुलक कार्यो की समीक्षा के साथ ही कार्य क्या है,यह देखा जा रहा है और कार्य एस्टीमेट के अनुकूल किया जा रहा हैं या नहीं इसकी भी सुधि ली जा रही है ताकि मूल्यांकन सत्यापन की समीक्षा की जा सके।

जिला पंचायत अध्यक्ष संजय पांडे के इस निरीक्षण की तारीफ संबधीत गांवो के लोग खुले दिल से कर रहे हैं,इस संबंध मे लोगो का कहना है कि पहले भी हमारे गांव मे मनरेगा के कार्य हुये हैं जिसमे कई कमी है अभी चल रहे मनरेगा कार्यो मे जिला पंचायत अध्यक्ष संजय पांडे के निरीक्षण से गांववासियों को उम्मीद है कि कार्य मे लीपा पोती नही होगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।